डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
23 अप्रैल 2026 गुरुवार

आज का मौसम
39.8 अधिकतम
23.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

किसानों को चौगुना मुआवजे का बोनांजा शानदार, पर संकट और भी हैं सरकार...!

मध्य प्रदेश की डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता वाली कैबिनेट ने किसानों के हित में एक बड़ा और ऐतिहासिक निर्णय लिया है। अब सरकारी परियोजनाओं के लिए कृषि भूमि अधिग्रहण पर किसानों को बाजार दर से चार गुना मुआवजा मिलेगा, जो पहले दोगुना था।

समाचार विश्लेषण
राजेश सिरोठिया

बेशक यह फैसला स्वागत योग्य है, व्यावहारिक धरातल पर खड़ा है। इससे विकास परियोजनाओं को जमीन पर उतारने की राह का सबसे बड़ा रोड़ा दूर होगा। उधर, किसान के मन में वो मलाल भी नहीं रहेगा, जो कलेक्टर गाइड लाइन के चलते औने - पौने मुआवजे के कारण पैदा होता है। यह निर्णय केवल ग्रामीण क्षेत्रों की कृषि भूमि पर लागू होगा, जबकि नगरीय सीमा की जमीन पर मुआवजा पहले की तरह दोगुना ही रहेगा। यह प्रावधान 'मध्यप्रदेश भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार नियम, 2015' के तहत लागू होगा। साथ ही सिंचाई, सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुडी लगभग 33,985 करोड़ रुपये की अधोसंरचना परियोजनाओं को भी मंजूरी दी गई है। मुआवजा बढ़ने से विकास को गति मिलने के साथ भूमि देने वाले किसानों को बेहतर प्रतिफल मिलने की उम्मीद है। इससे सिंचाई और सड़क से जुड़े प्रोजेक्ट तय समय सीमा में पूरे होंगे तो उसकी लागत नहीं बढ़ेगी। मुआवजे के लिए अदालती चक्कर बचेंगे। यदि प्रोजेक्ट समय सीमा से पहले पूरे हुए तो लागत में कमी भी हो सकती है। इससे ज़्यादा मुआवजा देने से पड़ने वाला भार भी कम होगा। मोहन सरकार ने यह फैसला तीन सदस्यीय कैबिनेट की उप समिति की सिफारिश के आधार पर लिया है। उसे अंतिम रूप देने से पहले फिक्की और क्रेडाई जैसे संगठनों से भी राय ली गई। इससे इस नई नीति ने आकार लिया जो व्यावहारिकता की कसौटी पर खरी उतरती है। इस उप समिति में जो तीन मंत्री तुलसी सिलावट, राकेश सिंह और चैतन्य कश्यप शामिल थे, उनका एप्रोच भी साफ रहा। साफ है कि सरकार दीर्घकालीन कृषि ढांचे को मजबूत करने की दिशा में निवेश कर रही है।

किसान कल्याण वर्ष की असली चुनौती गेहूं खरीदी

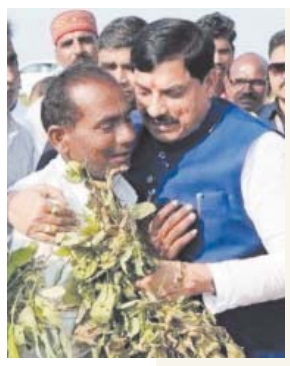

प्रदेश में रिकॉर्ड 1.20 करोड़ टन गेहूं उत्पादन के बावजूद खरीदी व्यवस्था सुस्त और उलझी हुई है। सरकार ने 19 लाख पंजीकृत किसानों में से पहले केवल 11 लाख छोटे किसानों (5 एकड़ तक) से खरीदी का निर्णय लिया है। तर्क यह है कि जब तक छोटे किसानों से पूरी खरीदी नहीं हो जाती, तब तक मझोले और बड़े किसानों को मौका नहीं मिलेगा। यह निर्णय व्यवहारिक कम और प्रशासनिक जड़ता ज्यादा लगता है। कई संभागों में छोटे किसानों की खरीदी लगभग पूरी हो चुकी है। इनमें वो चार संभाग हैं जहां छह दिन पहले ही खरीदी हो गई थी। वहां अब मझोले किसान स्लॉट बुकिंग के इंतजार में बैठे हैं और सहकारी खरीदी केंद्र तथा समितियां किसानों के गेहूं के इंतज़ार में लगभग निष्क्रिय पड़ी है। सरकार का यह 'एक ही नियम सब पर वाला रवैया' किसानों के लिए नुकसानदेह साबित हो रहा है।

बाजार में गिरते दाम और शोषण

स्थिति और चिंताजनक इसलिए है क्योंकि केंद्र ने अभी केवल 78 लाख टन खरीदी की अनुमति दी है। खुले बाजार में दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य (2625) से काफी नीचे गिर गए हैं। लोकमन जैसी प्रीमियम किस्म भी 2200 प्रति क्विंटल से नीचे बिक रही है। किसान मजबूरी में घाटे में फसल बेच रहा है जो सीधा आर्थिक शोषण है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर छोटे किसानों से ही पहले खरीदी करनी थी, तो पूरे प्रदेश में एक साथ शुरुआत क्यों नहीं? चार संभागों में पहले और बाकी में बाद में शुरुआत का औचित्य क्या है? यह असंगत योजना और जमीनी समन्वय की कमी को दर्शाता है।

आगे और गहराता संकट

स्थिति यहीं नहीं रुकती। बेमौसम बारिश और तेज गर्मी से फसल खराब होने का खतरा बना हुआ है। खराब गुणवत्ता का गेहूँ भारतीय खाद्य निगम द्वारा अस्वीकार किए जाने की आशंका भी है। निर्यात पर वैश्विक हालात (जैसे ईरान क्षेत्रीय तनाव) का असर है तो मूंग और खरीफ की फसल की तैयारी पर अनिश्चितता बनी हुई है। खाद और उर्वरकों की संभावित किल्लत और महंगाई तो है ही। यानी किसान एक साथ कई मोर्चों पर घिरा हुआ है। लाखों किसानों के लिए असली मुद्दे यानी समय पर खरीदी, उचित दाम, पारदर्शी व्यवस्था और खरीदी के लिए स्लॉट बुकिंग वाले सर्वर की सुस्ती दूर नहीं होगी तो 'बोनांजा' की चमक के पीछे 'संकट' की परछाईं और गहरी होती जाएगी।

हिंसक हुआ बंगाल चुनाव... कुमारगंज में भाजपा प्रत्याशी पर हमला

मुर्शिदाबाद में पथराव, लाठीचार्ज

नौदा में वोटिंग से पहले विस्फोट, कई घायल, सिलीगुड़ी में भी टीएमसी-बीजेपी में झड़प

कोलकाता/चेन्नई. एजेंसी

पश्चिम बंगाल में पहले चरण की 152 सीटों पर और तमिलनाडु में सभी 234 सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं। बंगाल में कई जगह बीजेपी और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प की खबरें आ रही हैं। साथ ही ईवीएम खराब होने की शिकायत भी मिल रही हैं। मुर्शिदाबाद के नौदा में वोटिंग से पहले देर रात देसी बम फेंका गया जिसमें कई लोग घायल हुए।

दक्षिण मिदनापुर में कुमारगंज सीट से भाजपा कैंडिडेट सुवेंदु सरकार पर हमला हुआ है। एक वीडियो में दिख रहा है कि सुवेंदु हमले से बचने के लिए भाग रहे हैं। उनका सिक्योरिटी गार्ड उनके साथ है। इसके बावजूद भीड़ सुवेंदु को पीटती है। हमला करने वाले लोगों की पहचान नहीं हुई है। जानकारी के मुताबिक चुनाव आयोग ने वीडियो में दिख रहे सभी लोगों की तुरंत गिरफ्तारी करने के आदेश दे दिए हैं। घटना के दौरान बीजेपी और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच पथराव भी हुआ। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए

सुरक्षा बलों ने लाठीचार्ज किया।

मुर्शिदाबाद के नौदा में वोटिंग से पहले देर रात देसी बम फेंका गया था। इसमें कई लोग घायल हो गए थे। इसके बाद आम जनता उन्नयन पार्टी के चीफ हुमायूं कबीर सुबह घटनास्थल पर पहुंचे तो उनका विरोध हुआ। इस दौरान टीएमसी कार्यकर्ताओं के साथ उनकी झड़प भी हुई। इसके बाद वे धरने पर बैठ गए। उन्होंने कहा कि पुलिस टीएमसी कार्यकर्ताओं के साथ गुंडागर्दी कर रही है। हमारे समर्थकों के साथ मारपीट की जा रही है। सिलीगुड़ी में भी वोटिंग के दौरान भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। वहीं मालदा के एक बूथ पर ईवीएम खराब होने से हंगामा हो गया। लोगों ने चुनाव अधिकारी को घेर लिया और आपत्ति जताई। इस बीच पूरे राज्य में सुबह से पोलिंग बूथ पर लंबी कतारें दिख रही हैं। यहां महिलाओं की संख्या ज्यादा है। ऐसा ही हाल तमिलनाडु में देखा जा रहा है।

डोमकल सीट पर भी तनाव

डोमकल विधानसभा क्षेत्र में टीएमसी और हुमांयू कबीर की पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच जबरदस्त झड़प हुई। सुरक्षाबलों की मौजूदगी में ही दोनों दलों के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। मामले को गंभीरता से लेते हुए चुनाव आयोग ने अधिकारियों से रिपोर्ट तलब की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई मतदाताओं ने आरोप लगाया कि उन्हें धमकाया गया और पोलिंग बूथ तक पहुंचने से रोका गया। कुछ लोगों का कहना है कि वोट डालने की कोशिश करने पर उन्हें हमले की चेतावनी दी गई थी।

बंगाल में दोपहर एक बजे तक 50 फीसदी मतदान : पेज 8

ट्रम्प को उम्मीद... कल इस्लामाबाद में होगी वार्ता

ईरान की दो टूक... मौजूदा हालात में नहीं खुलेगा होर्मुज

वाशिंगटन/तेहरान।. एजेंसी

ईरान ने कहा है कि मौजूदा हालात में होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा नहीं खोला जाएगा। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहा कि सीजफायर के उल्लंघन के बीच यह संभव नहीं है। गालिबाफ ने आरोप लगाया कि अमेरिकी नाकेबंदी ईरानी बंदरगाहों को निशाना बना रही है और यह वैश्विक अर्थव्यवस्था को बंधक बनाने जैसा है। उन्होंने कहा कि पूर्ण सीजफायर तभी संभव है, जब नाकेबंदी खत्म हो।

दूसरी तरफ अमेरिका और ईरान के बीच शुक्रवार को पाकिस्तान के इस्लामाबाद में बैठक होने की संभावना है। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान की मध्यस्थता के बाद दोनों देश जल्द बातचीत की टेबल पर लौट सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी कहा है कि यह बैठक जल्द होना संभव है। हालांकि ईरान ने ऐसी किसी बैठक को लेकर पुष्टि नहीं की है।

रूसी तेल पर छूट बढ़ी

अमेरिका ने रूसी तेल की खरीद पर लगी पाबंदियों में दी गई छूट को 30 दिन के लिए बढ़ा दिया है। यह फैसला करीब 10 देशों की मांग पर लिया गया है, जो तेल की कमी का सामना कर सकते हैं। उधर, वैश्विक ऊर्जा और माल ढुलाई बाजार पर नजर रखने वाली विश्लेषण कंपनी वॉर्टेक्सा के मुताबिक, अमेरिका द्वारा ईरानी बंदरगाहों पर नौसैनिक नाकाबंदी लगाए जाने के बाद एक हफ्ते में प्रतिबंधित और ईरान से जुड़े 34 तेल टैंकरों की आवाजाही दर्ज की गई।

ईरान-लेबनान मीटिंग आज

इजराइल और लेबनान के बीच आज वॉशिंगटन में दूसरी दौर की बातचीत होगी। इसमें 10 दिन के मौजूदा सीजफायर को आगे बढ़ाने पर चर्चा की जाएगी। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने कहा कि बातचीत कुछ शर्तों पर आधारित है। इनमें इजराइल के हमले पूरी तरह रुकना, लेबनान की जमीन से इजराइली सेना की वापसी, कैदियों की रिहाई आदि मुद्दे शामिल हैं।

न्यूज विंडो

सीबीएसई 10वीं की दूसरी परीक्षा की डेटशीट जारी

नईदिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 10 की दूसरी परीक्षा 2026 की डेटशीट जारी कर दी है। कक्षा 10 की दूसरी बोर्ड परीक्षा का टाइमटेबल उम्मीदवार सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट **cbse.gov.in** पर देख सकते हैं। जारी डेटशीट के मुताबिक, 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं शुक्रवार 15 मई से गणित की परीक्षा के साथ शुरू होंगी और 21 मई को सोशल साइंस की परीक्षा के साथ समाप्त होंगी।

जग्गी हत्याकांड में अमित जोगी को सुप्रीम कोर्ट से राहत

रायपुर। रामअवतार जग्गी हत्याकांड में दोषी करार दिए गए पूर्व विधायक अमित जोगी को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई है। गुरुवार को सरेंडर करने पर कोर्ट ने फिलहाल रोक लगा दी है। अमित जोगी की ओर से दो आदेशों को चुनौती दी गई है। पहला, जिसमें सीबीआई को अपील करने की अनुमति दी गई और वह फैसला, जिसमें उन्हें सजा सुनाई गई है।

आज का कार्टून

गेहूं खरीदी पर दिया एक हफ्ते का अल्टीमेटम

विधायक मीणा का अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने का ऐलान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में गेहूं खरीदी को लेकर किसानों में असंतोष ऐसा है कि अब सत्ताधारी दल के विधायक भी सरकार के खिलाफ मुखर हो रहे हैं। विदिशा जिले की शमशाबाद सीट से विधायक सूर्य प्रकाश मीणा ने चेतावनी दी है कि यदि सात दिनों के भीतर गेहूं खरीदी की व्यवस्थाएं नहीं सुधरीं, तो वे किसानों के साथ सड़क पर उतरेंगे। दरअसल, भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधियों ने विधायक से मुलाकात कर उन्हें गेहूं खरीदी में फैली अव्यवस्थाओं और किसानों की परेशानियों से अवगत कराया। इस पर विधायक ने मौजूदा व्यवस्था को चिंताजनक बताया। उन्होंने

कहा कि आम तौर पर हर साल 20 अप्रैल तक तुलाई की प्रक्रिया पूरी हो जाती थी, लेकिन इस बार व्यवस्थाएं अभी भी शुरुआती स्तर पर हैं। इस मुद्दे को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह से मिलने की बात भी कही है। विधायक ने किसानों से अपील करते हुए कहा है कि यदि एक सप्ताह इंतज़ार करें फिर सभी किसान अपने काम छोड़कर सड़क पर उतरने के लिए तैयार रहें। माना जा रहा है कि अपनी ही सरकार के खिलाफ इस तरह के रुख से सरकार तो असहज होगी ही, विपक्ष के तेवर भी तीखे होंगे।

मुकदमे के लिए एससी-एसटी सर्टिफिकेट जरूरी

बिलासपुर, एजेंसी

हाई कोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि एससी-एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत अपराध साबित करने के लिए पीड़ित का वैध जाति प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है। 21 साल पुराने मामले में ट्रायल कोर्ट के फैसले को आंशिक रूप से रद करते हुए छह महीने की सजा समाप्त कर दी। मामले में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि सरकारी जमीन पर दुकान निर्माण को लेकर हुए विवाद के दौरान आरोपितों ने जातिसूचक शब्द कहकर अपमानित किया।

बेटे का मुंडन कराकर लौट रहा था परिवार, कोई नहीं बचा

हादसे में 11 की मौत, 9 जिंदा जले

मिर्जापुर, एजेंसी

यूपी के मिर्जापुर में बुधवार रात सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। इसमें बोलेरो सवार 9 लोग जिंदा जल गए। हादसा रात 9.30 बजे मिर्जापुर-रीवा नेशनल हाईवे पर हुआ।

पुलिस के मुताबिक, एक तेज रफ्तार ट्रक अचानक ब्रेक फेल होने से बेकाबू हो गया। ट्रक ने आगे चल रही बोलेरो और स्विफ्ट कार को टक्कर मार दी। दोनों गाड़ियां आगे चल रहे एक ट्रॉले से जा टकरा गईं। रफ्तार तेज होने की वजह से टक्कर के बाद बोलेरो उछलकर अलग हो गई। तेज धमाके के साथ उसमें आग लग गई। जबकि, स्विफ्ट कार ट्रक और ट्राले के बीच में फंस गई। आग इतनी भीषण थी कि बोलेरो सवार 9 लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। इसमें एक ही परिवार के 8 लोग और एक ड्राइवर था। करीब ढाई घंटे तक बोलेरो धूं-धूं कर जलती

रही। मौके पर चीख पुकार मच गई। आसपास के लोग मदद के लिए आए, लेकिन आग तेज होने की वजह से कोई पास नहीं जा पाया। लोग अंदर ही फंसे रहे। बाद में पुलिस और फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया। शव इतनी बुरी तरह से जल गए थे कि उन्हें पहचानना मुश्किल हो गया। परिवार मैहर से 8 साल के बेटे का मुंडन कराकर लौट रहा था।

मेट्रो एंकर

सर्वे में खुलासा... ब्रिटिश यूनिवर्सिटीज के लिए खतरे की घंटी है सरकार की नीतियां

भारतीय छात्रों के बीच फीकी पड़ती ब्रिटेन के शिक्षा संस्थानों की चमक

नई दिल्ली, एजेंसी

हायर एजुकेशन के लिए ब्रिटेन अब भारतीय छात्रों के बीच लोकप्रिय नहीं रहा। एक सर्वे में ये बात सामने निकलकर आई है। इसके अनुसार ब्रिटेन की यूनिवर्सिटीज में भारतीय छात्रों के एडमिशन में गिरावट आई है। नए डेटा से मालूम चलता है कि भारतीयों के साथ-साथ दुनिया के कई देशों के छात्रों की संख्या भी कम हुई है। इसकी वजह, वीजा सहित अन्य शर्तों में हो रहा बदलाव बताया जा रहा है।

ब्रिटिश यूनिवर्सिटीज इंटरनेशनल लाइजन एसोसिएशन (BUILA) ने एक सर्वे किया है। इसमें बताया गया है कि 70 प्रतिशत ब्रिटिश यूनिवर्सिटीज ऐसी हैं, जहां जनवरी 2026 में

विदेशी छात्रों के एडमिशन घाटे हैं। पिछले साल की इसी अवधि से तुलना करें तो 31 फीसदी कमी दिखाई देती है। सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि ब्रिटेन हायर एजुकेशन सेक्टर में अपनी चमक खो रहा है। एडमिशन में हो रही गिरावट भारतीय छात्रों के बीच सबसे ज्यादा देखी गई है। 76 फीसदी ब्रिटिश यूनिवर्सिटीज ने माना है कि उनके यहां भारतीय छात्र कम हुए हैं। 82 फीसदी में पाकिस्तान के छात्र कम हुए। यही हाल बांग्लादेशी छात्रों के दाखिले का भी है। यूनिवर्सिटीज का कहना है कि बदलते वीजा नियम उनके लिए परेशानी का सबब बन गए हैं। BUILA के अध्यक्ष एंड्रयू बर्ड ने वॉर्निंग दी है कि इन ट्रेंड्स की वजह से जो छात्र यहां सच में पढ़ने आने की प्लानिंग कर रहे थे, वो परेशान हो सकते हैं। इससे हायर एजुकेशन सेक्टर में ब्रिटेन की प्रतिष्ठा को भी ठेस पहुंचेगी। उन्होंने कहा, ब्रिटेन पहले से ही दुनिया के सबसे सख्त छात्र वीजा शर्तों वाले देश में से एक है और हमारे सदस्य इसकी अखंडता की रक्षा का पूरा समर्थन करते हैं। लेकिन सरकार लगातार नियमों को बदल रही है। जो देश के हायर एजुकेशन सेक्टर के लिए खतरे की घंटी है।

लगातार सख्त होते नियम

दरअसल, विदेशी छात्रों को एडमिशन देने को लेकर ब्रिटिश सरकार कड़े नियम ला रही है। इससे पहले ही यूनिवर्सिटीज ने अपने यहां एडमिशन देने की रणनीति बदल ली है। लगभग एक-तिहाई यूनिवर्सिटीज ऐसी हैं, जिन्होंने कुछ खास देशों के छात्रों को एडमिशन देना बंद कर दिया है। 58 प्रतिशत यूनिवर्सिटीज ने छात्रों की विश्वसनीयता जांच और इंटरव्यू से जुड़े नियम सख्त कर दिए हैं। वीजा रिजेक्शन कम करने के लिए कई यूनिवर्सिटीज ने सख्त वित्तीय शर्तें लागू की हैं। इसके तहत अब छात्रों को ज्यादा सेविंग अमाउंट दिखाने को कहा जा रहा है।

तीसरे एयरलाइंस ऑपरेटर का लंबा होता इंतजार

भोपाल से देहरादून-उदयपुर और जम्मू के लिए नहीं मिल पा रही सीधी फ्लाइट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल में नया एकीकृत टर्मिनल बनने के 15 साल बाद भी तीसरे एयरलाइंस ऑपरेटर की सेवाएं शुरू नहीं हो पा रही हैं। देहरादून, उदयपुर, जम्मू एवं जयपुर तक लंबे समय से सीधी उड़ान नहीं है। पैसेंजर फ्रेंडली गोवा रूट पर हाल ही में उड़ान बंद कर दी गई है। ग्रीष्मकाल में पर्यटन की दृष्टि से लोग जिन शहरों की ओर जाते हैं वहां के लिए सीधी उड़ानें भोपाल से नहीं मिलती।

हाल ही में लागू समर शेड्यूल में भोपाल को केवल नवीं मुंबई तक सीधी उड़ान मिल सकी। गोवा उड़ान बंद कर दी गई। इसके पहले उदयपुर एवं जयपुर उड़ान अचानक बंद हो गई। एयरलाइंस कंपनियों का पूरा ध्यान दिल्ली, मुंबई पर है। दिल्ली रूट पर एक साप्ताहिक उड़ान सहित सबसे अधिक सात उड़ान हैं।

पैसेंजर फ्रेंडली रूट पर उड़ान नहीं

ग्रीष्मकाल में लोग देहरादून, गोवा, जम्मू, जयपुर एवं उदयपुर आदि शहरों तक सीधी उड़ान नहीं है। इन शहरों को पैसेंजर फ्रेंडली रूट माना जाता है लेकिन इन शहरों तक सीधी उड़ानें लगातार नहीं चल पातीं। एक समय इंडियन एयरलाइंस ने भोपाल से देहरादून तक सीधी उड़ान शुरू की थी। इस उड़ान से गर्मी के दौरान बड़ी संख्या में लोग सफर करते थे। इंडियन एयरलाइंस का एयर इंडिया में मर्जर होने के बाद इस रूट पर कभी उड़ान शुरू ही नहीं हुई। गोवा उड़ान तीन बार प्रारंभ होकर बंद हो चुकी है। जयपुर एवं उदयपुर रूट भी आए दिन शुरू होकर बंद कर दिया जाता है। जम्मू तक सीधी उड़ान की मांग कभी पूरी नहीं हुई।

स्लॉट लिया पर उड़ान शुरू नहीं

तीसरे ऑपरेटर के रूप में हाल ही में एयर इंडिया एक्सप्रेस ने मुंबई रूट पर उड़ान शुरू करने की स्वीकृति दी है। कंपनी ने जुलाई माह का स्लॉट भी लिया है पर बुकिंग प्रारंभ नहीं की है। पिछले समर शेड्यूल में भी कंपनी ने मुंबई एवं बेंगलुरु उड़ान शुरू करने की स्वीकृति दी पर उड़ान शुरू नहीं हुई। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी का कहना है कि इस वर्ष उम्मीद से अधिक उड़ानें प्रारंभ होंगी। एआई एक्सप्रेस ने भी स्लॉट लिया है। जल्द ही उड़ान शुरू होगी। उन्होंने कहा कि हम प्रयास कर रहे हैं बंद हो चुकी उड़ानें पुन-शुरू हो जाएंगी।

कोलार में सिद्धार्थ इंडेन गैस एजेंसी सस्पेंड

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी के मामले में प्रशासन ने कोलार स्थित सिद्धार्थ इंडेन गैस एजेंसी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए उसकी डिस्ट्रीब्यूटरशिप सस्पेंड कर दी है। हाल ही में हुई जांच के दौरान एजेंसी के 50 से अधिक सिलिंडरों में कम गैस पाए जाने की पुष्टि हुई थी, जिसके बाद जिला प्रशासन की सिफारिश पर इंडियन ऑयल ने यह कदम उठाया। एजेंसी बंद होने से कोलार क्षेत्र के करीब 7,792 उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ सकती थी, जिसे देखते हुए उन्हें तत्काल मिसरोद स्थित रघु इंडेन गैस एजेंसी से अटैच कर दिया गया है। अब इसी एजेंसी के माध्यम से क्षेत्र में गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि भोपाल में कुल 46 गैस एजेंसियां सक्रिय हैं, जिनमें से 20 से अधिक इंडेन की हैं। शहर के लगभग साढ़े चार लाख उपभोक्ता रसोई गैस के लिए इंडेन पर निर्भर हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि गैस चोरी या वजन में कमी करने वाली अन्य एजेंसियों पर भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सैटेलाइट के फेर में फंसे किसान

खेत में लहलहा रहा गेहूं, पर कम्प्यूटर बता रहा खाली

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी सहित पूरे प्रदेश में इस बार किसानों की फसलों की जांच पहली बार सैटेलाइट के जरिए की जा रही है। लेकिन इस नई तकनीक ने किसानों की मुसीबत बढ़ा दी है। सैटेलाइट तस्वीरों में गड़बड़ी की वजह से कई किसानों के खेतों में या तो फसल कम दिखाई दे रही है या फिर खेत खाली नजर आ रहे हैं।

इतना ही नहीं जब किसान अपना गेहूं बेचने के लिए ऑनलाइन स्लॉट बुक करने जाते हैं, तो उनके पास री-वेरिफिकेशन का मैसेज आ जाता है। अकेले भोपाल जिले में ऐसे करीब 3200 किसान सामने आए हैं, जिनकी फसल के रकबे में गड़बड़ी मिली है। आलम यह है कि मुगालिया हाट के किसान परमानंद भाटी के पास 25 क्विंटल गेहूं हैं, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड में केवल तीन क्विंटल बेचने का ही स्लॉट खुल रहा है। ऐसी ही शिकायतों को लेकर किसान कलेक्टोरेट के चक्कर काट रहे हैं।

शासन सुधार रहा गलती

जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन ने माना कि सैटेलाइट रिपोर्ट में कमियां हैं। उन्होंने बताया कि अब तक करीब तीन हजार किसानों के रिकॉर्ड का दोबारा सत्यापन कर लिया गया है। हालांकि 111 किसान अभी भी ऐसे हैं जिनका काम अटका हुआ है और वे अपनी फसल बेचने के इंतजार में हैं। एडीएम सुमित पांडे ने भी अधिकारियों को जल्द सुधार करने के निर्देश दिए हैं ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने में देरी न हो।

महापौर ने किया पेविंग ब्लॉक व चबूतरा निर्माण का भूमिपूजन

भोपाल। वार्ड 50 स्थित देवलोक पार्क जी-3 गुलमोहर में लग भग 14 लाख की लागत से पेविंग ब्लॉक, शेड निर्माण एवं चबूतरे के निर्माण कार्य का महापौर मालती राय ने भूमिपूजन किया। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य सुषमा बाविसा, जिला महामंत्री राजकुमार विश्वकर्मा, मंडल अध्यक्ष पीयूष सिसोदिया, जिला मंत्री संतोष हिरवे, समाज सेवी अजय श्रीवास्तव सहित रहवासी मौजूद रहे।

जू-जित्सु प्रतियोगिता में रजत पदक के साथ शानदार शुरुआत

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, भोपाल में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी जू-जित्सु प्रतियोगिता में देशभर के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। फाइटिंग सिस्टम और फुल कॉन्टैक्ट स्पर्धाओं में हुए रोमांचक मुकाबलों में खिलाड़ियों ने अपनी तकनीक, ताकत और खेल भावना का परिचय दिया। एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के खिलाड़ियों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दो रजत पदक अपने नाम किए।

महिला -52 किलोग्राम वर्ग में प्रिया ठाकुर ने रजत पदक जीता, जबकि -57 किलोग्राम वर्ग में रेणु ने भी रजत पदक हासिल कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में विभिन्न भार वर्गों में देशभर की यूनिवर्सिटियों के खिलाड़ियों के बीच कड़े मुकाबले हुए। कई खिलाड़ियों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में मुकाबले बेहद रोमांचक रहे, जहां खिलाड़ियों ने उच्च स्तर की फिटनेस और तकनीकी कौशल का परिचय दिया। आयोजन के दौरान दर्शकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और पूरे कार्यक्रम में खेल भावना का माहौल बना रहा। यह प्रतियोगिता युवा खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुई, जहां उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा को साबित किया।

मेडिकल टूरिज्म कॉरिडोर में भोपाल को मिले समान महत्व : मीक

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

इंदौर-उज्जैन मेडिकल टूरिज्म एंड वेलनेस कॉरिडोर प्रस्ताव पर क्रेडाई भोपाल के अध्यक्ष मनोज मीक ने सुझाव दिया है कि इसे केवल दो शहरों तक सीमित न रखकर भोपाल-उज्जैन-इंदौर मेडिकल टूरिज्म एवं वेलनेस सर्किट के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजधानी भोपाल को इस योजना में समान रणनीतिक महत्व मिलना जरूरी है, ताकि मध्यप्रदेश में एक मजबूत और संतुलित वेलनेस मॉडल तैयार हो सके। उनके अनुसार यह सर्किट एडवांस मेडिकल केयर, प्राकृतिक चिकित्सा, आध्यात्मिक वेलनेस और रिहैबिलिटेशन सुविधाओं को एक साथ जोड़ सकता है।

'नदी सिर्फ पानी का स्त्रोत भर नहीं है बल्कि, संस्कृति की संवाहक'

'राष्ट्रीय विमर्श-नर्मदांचल की मूर्त एवं अमूर्त धरोहर' पर एक दिवसीय कार्यक्रम

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य क्षेत्र सहकार्यवाह हेमंत मुक्तिबोध ने कहा है कि नदी सजीव है और उसे सिर्फ जलराशि नहीं माना जाना चाहिए। नदी सिर्फ पानी का स्त्रोत भर नहीं है बल्कि, संस्कृति की संवाहक भी है, इसलिए सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व के मद्देनजर इसे संरक्षित करने की भी जरूरत है। इसके किनारे बने घाटों की सफाई आदि में सहयोगी बन इसके संरक्षण में योगदान दिया जा सकता है।

श्री मुक्तिबोध ने यह बात जनजातीय संग्रहालय में आयोजित 'राष्ट्रीय विमर्श-नर्मदांचल की मूर्त एवं अमूर्त धरोहर' पर एक दिवसीय कार्यक्रम में कही। उन्होंने मां नर्मदा की मूर्त-अमूर्त विरासत पर मंथन करते हुए 'मेरा घाट-मेरा तीर्थ' के भाव को रेखांकित किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अल्प समय में नर्मदा की जिजीविषा एवं सांस्कृतिक धरोहर को लेकर भी उन्होंने मौजूद लोगों का मार्गदर्शन किया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय विरासत संस्थान में प्रो-वाइस चांसलर, रजिस्ट्रार एवं संग्रहालय विज्ञान विभाग की प्रमुख प्रो. मानवी सेठ ने नर्मदा को यूनेस्को की धरोहर में शामिल करने की जरूरत बताई है। बतौर मुख्य अतिथि नर्मदा अंचल के निवासियों को एकमत होकर सहभागिता करते हुए नर्मदा के संरक्षण की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की अमूल्य संस्कृति एक प्रकार की अदृश्य सांस्कृतिक पूंजी है। इस अवसर पर साध्वी विशुद्धानंद भारती ने चिंता व्यक्त की कि नर्मदा के ठहराव के कारण मछलियों की कई प्रजातियां समाप्त हो रही हैं और प्रदूषण भी बढ़ रहा है।

स्वच्छ सर्वेक्षण के लिए निगमायुक्त ने जारी किए निर्देश

नोडल अधिकारी क्षेत्रों में समय पर पहुंचें, बिना स्वीकृति न लें अवकाश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने निगम कार्यों एवं समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित किया है कि स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत स्वच्छता कार्यों के लिए जोन में पदस्थ नोडल अधिकारी अपने कार्य क्षेत्र में निर्धारित समय पर पहुंचें और स्वच्छता संबंधी कार्यों का बेहतर ढंग से पर्यवेक्षण करें।

निगम आयुक्त ने निर्देशित किया कि कोई भी अधिकारी-कर्मचारी बिना सक्षम स्वीकृति के अवकाश न लें साथ ही जनगणना-2027 के प्रथम चरण में निगम के सभी के ऑन लाईन स्वगणना फार्म अनिवार्य रूप से भरवाएं। निगम आयुक्त जैन ने समग्र के.वॉय.सी. हेतु प्रत्येक वार्ड में समग्र प्रभारी के रूप में एक कर्मचारी तैनात करने, सड़कों से सी.एण्ड.डी वेस्ट मटेरियल तत्काल हटवाकर निष्पादन स्थल पर पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में अपर आयुक्त, उपायुक्त सहित निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

निगम आयुक्त जैन ने स्वच्छता कार्य से संलग्न कर्मचारियों के समय पर उपस्थित न होने पर भी नाराजगी व्यक्त की। निगम आयुक्त जैन ने ऐसे कर्मचारी जिनके पास अन्य विभागों के कार्यों के साथ ही स्वच्छता संबंधी कार्यों की जिम्मेदारी है उन्हें स्वच्छता संबंधी कार्यों से पृथक करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्रीमती जैन ने निर्देशित किया कि कोई भी अधिकारी-कर्मचारी सक्षम अधिकारी की स्वीकृति के बिना अवकाश ग्रहण न करें। निगम आयुक्त ने सड़कों पर पड़े निजी व शासकीय संस्थाओं के ठोस (सी.एंड.डी) कचरे को तत्काल उठवाकर निष्पादन स्थल पर पहुंचाने, नाला/नालियों की बेहतर ढंग से साफ-सफाई कराने, फुटपाथों से ठेले आदि को हटाने, समस्त वार्ड कार्यालयों में समग्र के.वॉय.सी हेतु समग्र प्रभारी के रूप में एक कर्मचारी तैनात करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने कहा कि समग्र पोर्टल से समग्र आई.डी. डिलीट करने की जिम्मेदारी वार्ड प्रभारियों की है ऐसे में वार्ड प्रभारी अपनी आई.डी का उपयोग कर आईडी डिलीट करने का कार्य करें। निगम आयुक्त ने निर्देशित किया कि निगम के सभी कर्मचारी जनगणना के तहत ऑन लाईन स्वगणना फार्म भरें ताकि जनगणना हेतु आने वाले प्रगणकों को कम समय में सटीक जानकारी मिल सके और वह जनगणना संबंधी कार्यों को सरलता, सुगमता एवं सटीक तौर पर सुनिश्चित कर सकें।

अत्याधुनिक सुविधाओं व प्रशिक्षण पर जोर

शिशुओं की रेटिना जांच और उपचार को सुदृढ़ करेंगे दानदाता : छतलानी

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

बैंगलुरू के प्रसिद्ध उद्योगपति और दानदाता मनोहर छतलानी ने भोपाल के सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में समय से पूर्व जन्मे शिशुओं की रेटिना जांच और उपचार प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाने की इच्छा जताई है।

अस्पताल के अवलोकन के दौरान उन्होंने प्रस्ताव दिया कि सेवा सदन के ऑप्टोमेट्रिस्ट को नारायणा नेत्रालय, बैंगलुरू के विशेषज्ञों के माध्यम से अल्पकालिक प्रशिक्षण दिलाया जाएगा, ताकि वे रेटिना जांच में अधिक दक्ष हो सकें। हजारों शिशुओं की हुई जांच चिकित्सालय की रेटिना स्पेशलिस्ट डॉ. सोनल पालीवाल ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में 7200 शिशुओं की आंखों की जांच की गई, जिनमें से 180 शिशुओं का लेजर तकनीक से सफल उपचार हुआ। उन्होंने बताया कि निर्धन परिवारों के लिए इलाज का खर्च उठाना चुनौतीपूर्ण होता है, जिसके लिए आर्थिक सहयोग और पुरानी मशीनों को बदलकर नई अत्याधुनिक मशीनें स्थापित करना आवश्यक है। वर्तमान में सेवा सदन द्वारा भोपाल, सीहोर और विदिशा के जिला अस्पतालों में यह सेवा दी जा रही है। जल्द ही इसका विस्तार नर्मदापुरम् और रायसेन तक किया जाएगा।

श्री छतलानी ने सुझाव दिया कि सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ निजी नर्सिंग होम के हृद्धृष्ट में भी आर.ओ.पी. स्क्रीनिंग अनिवार्य होनी चाहिए। उन्होंने इस पुनीत कार्य में होने वाले व्यय की आंशिक प्रतिपूर्ति करने का आश्वासन भी दिया।

मेट्रो एंकर मानव संग्रहालय में विश्व पृथ्वी दिवस पर आयोजित हुआ नृत्य नाटिका का प्रभावी मंचन

अनंत यात्रा की सजीव प्रस्तुति देकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

विश्व पृथ्वी दिवस पर इंदिरा गांधी मानव संग्रहालय के अंतरंग सभागार में आयोजित 'नृत्य नाटिका हमारी पृथ्वी में' के मंचन में पृथ्वी की अनन्त यात्रा का अतीत से वर्तमान तक को सजीव रूप में प्रस्तुत कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

उक्त मंचन चाइल्ड राइट्स ऑब्जर्वेटरी एवं स्वररंग आर्ट्स एंड कल्चरल सोसाइटी के सहयोग से हुआ। इस कार्यक्रम में भोपाल के दो विद्यालयों सेवन हिल्स तथा अंकुर हायर सेकेंडरी स्कूल के लगभग 50 बाल कलाकारों ने भाग लिया। रंग-बिरंगी वेशभूषा और प्रभावी संगीत संयोजन के साथ बच्चों ने पहाड़, जंगल, नदी, वायु, जल, अग्नि और आकाश जैसे प्राकृतिक तत्वों का जीवंत चित्रण किया, जिसने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। नाटक के मंचन में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रसिद्ध पंक्तियां 'पृथ्वी लाखों वर्ष पुरानी, जीवन एक अनन्त' कहानी

ने प्रस्तुति को भावनात्मक ऊंचाई दी। इसमें सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, केदारनाथ सिंह, अजय एवं जसिंता केरकेट्टा की कविताओं का सृजनात्मक समावेश भी रहा। इस नृत्य नाटिका का लेखन एवं निर्देशन युवा रंगकर्मी राहुल्य शर्मा, संगीत एवं नृत्य संयोजन सुप्रसिद्ध सितारवादक स्मिता नागदेव ने किया। इस नाटक ने दर्शकों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया। चाइल्ड राइट्स ऑब्जर्वेटरी की सचिव रश्मि सारस्वत ने आभार व्यक्त किया। बाल प्रतिभाओं के लिए प्रेरणादायक मंच बना संग्रहालय

संग्रहालय के निदेशक डॉ. अमिताभ पांडे ने बताया कि मानव संग्राहालय बाल प्रतिभाओं के लिए प्रेरणादायक मंच साबित हुआ। वहीं संग्रहालय के जनसंपर्क अधिकारी हेमंत बहादुर सिंह परिहार ने कहा कि मानव संग्रहालय एक मंच तक सीमित न रखते हुए संस्कृति और प्रकृति के बीच गहरे संबंधों को उजागर करने वाले संवाद स्थल के रूप में पुनः स्थापित कर रहा है। इस अवसर पर संग्रहालय के प्रशासनिक अधिकारी पी. संकर राव, संग्रहालय कीपर एन. सकमाचा सिंह, तपस विश्वास, राजेंद्र झारिया, डॉ. मोहम्मद रेहान, राजीव जैन, डॉ. मोहनलाल ,अतुल पांडे, देवेन्द्र शर्मा, डॉ. हेमंत आदि उपस्थित रहे।

'विश्व पृथ्वी दिवस' पर लघु नाटिका के माध्यम से विद्यार्थियों को किया जागरूक

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में विज्ञान विभाग द्वारा 'विश्व पृथ्वी दिवस' के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिक्षिका मंजूश्री जोशी ने 'आवर पावर, आवर प्लेनेट' विषय पर संबोधन देते हुए प्रदूषण, जल संकट और जैव विविधता पर बढ़ते खतरों के प्रति आगाह किया। उन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग और संसाधनों के संरक्षण पर बल दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत लघु नाटिका 'अर्थ वर्सेस ह्यूमन बीइंग' रही। इसके माध्यम से ब?ते प्लास्टिक प्रदूषण और अंधाधुंध वृक्षों की कटाई जैसे गंभीर मुद्दों को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया। विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से स्वच्छता बनाए रखने, प्लास्टिक का त्याग करने और पौधारोपण करने की शपथ ली। इस उपलक्ष्य में कक्षा 1 से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं के लिए विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

प्रधानमंत्री आवास योजना: सरकारी स्कीम के मकान में देरी

भोपाल में वर्षों से घर का इंतजार कर रहे लोग ईएमआई और किराए के दोहरे बोझ में फंसे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के घर का सपना देखने वाले हजारों हितग्राही अब संकट में हैं। वर्षों पहले आवेदन कर अपनी हिस्सेदारी जमा करने के बावजूद उन्हें आज तक मकानों का कब्जा नहीं मिल पाया है। हालात ऐसे बन गए हैं कि राहत देने वाली यह योजना अब आर्थिक दबाव और मानसिक तनाव का कारण बनती जा रही है। लगातार देरी और अधूरे प्रोजेक्ट्स ने लोगों की उम्मीदों को झटका दिया है।

दोहरी मार से बिगड़ा संतुलन

मकान समय पर नहीं मिलने के कारण हितग्राही दोहरी मार झेल रहे हैं। एक तरफ बैंक से लिया गया लोन और उसकी श्वश्छु है, तो दूसरी ओर किराए के मकानों में रहने का खर्च। सीमित आय वाले परिवारों के लिए यह स्थिति बेहद कठिन हो गई है। घर का बजट गड़बड़ा गया है और कई परिवारों को रोजमर्रा की जरूरतों में कटौती करनी पड़ रही है। हाउसिंग फॉर ऑल के तहत भोपाल में 21 प्रोजेक्ट शुरू किए गए थे, जिनमें 11,457 मकान बनाकर देने का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन करीब 9 साल बाद भी सिर्फ 6,573 मकान ही पूरे हो पाए हैं। यानी आधे से ज्यादा काम अब भी अधूरा है। करीब 40 प्रतिशत प्रोजेक्ट बीच में ही रुक गए हैं, जबकि बाकी प्रोजेक्ट्स की रफ्तार बेहद धीमी बनी हुई है, जिससे समयसीमा लगातार आगे खिसकती जा रही है।

अधूरे ढांचे और अधूरी सुविधाएं

शहर के कई हिस्सों में प्रोजेक्ट्स की स्थिति चिंताजनक है। अरेरा कॉलोनी 12 नंबर स्टॉप, गंगा नगर/श्याम नगर और राहुल नगर-2 जैसे प्रोजेक्ट तय समयसीमा से कई साल पीछे चल रहे हैं। कई जगह इमारतें तो खड़ी हो गई हैं, लेकिन वहां पानी, बिजली, सड़क और सीवरेज जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं। कुछ जगहों पर निर्माण कार्य पूरी तरह ठप पड़ा है।

हितग्राहियों की आवाज

01- दुष्यंत सिंह ने बताया कि 2021 में 9 लाख जमा करने के बाद भी मकान नहीं मिला, जबकि 2017 से प्रोजेक्ट चल रहा है। उन्होंने बताया कि 2BHK वालों की स्थिति सबसे खराब है, 2 और 3 BHK वालों को पजेशन मिल गया, लेकिन वे अभी भी किराया और EMI दोनों भर रहे हैं।

02- अरविंद बबेले ने बताया कि 8-10 साल से बिल्डिंग बन रही है, लेकिन अभी तक तैयार नहीं हुई। उन्होंने बताया कि बाद में शुरू हुए 2BHK और 3BHK मकान बनकर मिल गए, लेकिन वे नगर निगम के चक्कर काटते रह गए और कोई सुनवाई नहीं हुई।

03- अरुणा राय पवार ने बताया कि 2021 में पैसा जमा किया, लेकिन आज तक मकान नहीं मिला। उन्होंने बताया कि किराया अलग देना पड़ रहा है और लोन की किस्त भी भरनी पड़ रही है, शिकायत के बाद भी सिर्फ आश्वासन मिलते हैं।

04- अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि मकान की रजिस्ट्री होने के बाद भी कई साल से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई बार प्रदर्शन और शिकायत के बावजूद सुनवाई नहीं हुई और बिना पहुंच वाले लोगों को बार-बार घुमाया जा रहा है।

देरी के कारण सिस्टम पर सवाल

अधिकारियों के मुताबिक प्रोजेक्ट्स में देरी की वजह रेरा से मंजूरी मिलने में समय लगना, ठेकेदारों की लापरवाही, भुगतान में अड़चन और एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी है। हालांकि, इन कारणों का सीधा असर हितग्राहियों पर पड़ रहा है, जिनकी वर्षों की मेहनत और जमा पूंजी दांव पर लगी हुई है। बीते वर्षों में कई अधिकारी बदले, लेकिन हालात में कोई बड़ा सुधार नजर नहीं आया। हर बार नए आश्वासन जरूर मिले, लेकिन जमीन पर प्रगति बेहद धीमी रही। हितग्राहियों का कहना है कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा और जिम्मेदारी तय करने से बचा जा रहा है।

भोपाल पुलिस कमिश्नर ने जारी किया आदेश

सीएम हाउस के पास चौराहों पर धरना-प्रदर्शन पर रोक

» पॉलिटेक्निक समेत प्रमुख चौराहों को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल में अब शहर के सबसे व्यस्त चौराहों पर धरना-प्रदर्शन और पुतला दहन जैसे कार्यक्रम नहीं हो सकेंगे। पुलिस आयुक्त द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी कर पॉलिटेक्निक चौराहा, आकाशवाणी चौराहा और किलोल पार्क चौराहा सहित आसपास के क्षेत्रों को प्रतिबंधित घोषित कर दिया गया है।

ट्रैफिक और इमरजेंसी सेवाओं पर असर बना वजह- आदेश में कहा गया है कि ये चौराहे शहर के मुख्य मार्गों पर स्थित हैं और यहां से एयरपोर्ट, हमीदिया अस्पताल सहित कई महत्वपूर्ण स्थानों के लिए आवागमन होता है। इन जगहों पर धरना-प्रदर्शन या आंदोलन होने से यातायात बाधित होता है, जिससे आम लोगों को परेशानी होती है। साथ ही एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड जैसी आपातकालीन सेवाएं भी प्रभावित होती हैं।

बिना वैकल्पिक व्यवस्था के नहीं मिलती अनुमति

पुलिस के अनुसार, अक्सर इन स्थानों पर विभिन्न संगठनों और राजनीतिक दलों द्वारा धरना-प्रदर्शन की अनुमति मांगी जाती है, लेकिन यहां कोई वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध नहीं होने के कारण शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है।

2 महीने तक रहेगा आदेश

पुलिस आयुक्त द्वारा जारी यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और आगामी दो माह तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान इन स्थानों पर किसी भी प्रकार के धरना, प्रदर्शन, हड़ताल या पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित करने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा।

उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर में कानून-व्यवस्था और सुचारू यातायात बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है।

राजनीतिक नियुक्तियों की लिस्ट में जुड़ेंगे नए नाम

मध्य प्रदेश भाजपा निगम-मंडलों में बढ़ाएगी महिलाओं की हिस्सेदारी

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति में भी इस बार महिलाओं की संख्या बढ़ाएगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

लोकसभा में नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक पारित न हो पाने के बाद भाजपा महिलाओं का समर्थन जुटाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। इसी के चलते मध्य प्रदेश में लंबे समय से रुकी हुईं राजनीतिक नियुक्तियों के मामले में अब नया मोड़ आ गया है। फिलहाल भाजपा की रणनीति यह है कि निगम-मंडलों में होने वाली राजनीतिक नियुक्तियों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई जाए। पार्टी राजनीतिक नियुक्तियों की सूची में अब नए सिरे से महिलाओं के नाम जोड़ेगी।

दरअसल, केंद्रीय नेतृत्व ने तय किया है कि भाजपा शासित राज्यों में प्रतीकात्मक रूप से या स्थानीय स्तर पर शासन-प्रशासन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के नए कदम उठाए जाएं ताकि पार्टी की प्रतिबद्धता दिखाई दे। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति में भी इस बार महिलाओं की संख्या बढ़ाएगी।

भाजपा ये प्रयास महिला मतदाताओं को बड़ा संदेश देने और जमीनी स्तर से लेकर सत्ता के शीर्ष तक महिला नेतृत्व को प्रोत्साहित करने के लिए कर रही है। निगम-मंडलों में अपेक्षाकृत अधिक प्रतिनिधित्व देने के विचार के पीछे भी यही कारण है। लक्ष्य यह भी है कि इनमें महिला कार्यकर्ताओं को केवल सांकेतिक पद नहीं, बल्कि निर्णय लेने वाली मुख्यधारा में शामिल किया जाए।

महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने में प्रदेश आगे

मध्य प्रदेश में पंचायत राज संस्थाएं हों या नगर सरकार, सभी में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। अच्छी बात यह भी है कि प्रदेश में लगभग 52.84 प्रतिशत महिलाएं पंचायत राज संस्थाओं में ग्रामीण सरकार का नेतृत्व कर रही हैं। इनमें पंच, सरपंच, जनपद पंचायत की सदस्य, अध्यक्ष और जिला पंचायत की अध्यक्ष व सदस्य शामिल हैं। राज्य की त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था में कुल 3,95,552 निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों में से महिला जनप्रतिनिधियों की संख्या 2,09,041 है। राज्य की 313 जनपद पंचायतों में से 179 में महिलाओं का नेतृत्व है, जो 57 प्रतिशत है। 52 जिला पंचायतों में भी आधे में महिला जिलाध्यक्ष हैं। नगरीय निकायों में भी महिला नेतृत्व 50 प्रतिशत से अधिक है। प्रदेश के 16 नगर निगमों में से नौ में महिला महापौर हैं। इसी तरह कुल 7,321 पार्षदों में से 4,154 महिला पार्षद हैं। भाजपा सदैव महिला सशक्तीकरण की पक्षधर रही है। देश की प्रथम नागरिक से लेकर वित्त मंत्री, रक्षा मंत्री का दायित्व भी भाजपा ने महिलाओं का दिया है। पार्टी हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए पक्षधर और प्रयासरत है- लता वानखेड़े, सांसद एवं सदस्य भाजपा कोर ग्रुप।

किसानों के मुद्दों पर कांग्रेस का हमला, कुणाल बोले-

किसान कल्याण नहीं किसान हैरान वर्ष, बुधनी में बड़ा आंदोलन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में गेहूं खरीदी, किसानों की आय और सरकारी नीतियों को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर किसानों की अनदेखी और उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पूर्व विधायक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव कुणाल चौधरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि सरकार जिस साल को किसान कल्याण वर्ष बता रही है, वह वास्तव में किसान हैरान वर्ष बन गया है। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि अगर किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन तेज किया जाएगा। चौधरी ने घोषणा की कि 28 अप्रैल को बुधनी में बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा, जो केंद्रीय कृषि मंत्री के गृह क्षेत्र में होगा।

खरीदी में देरी और कम लक्ष्य पर सवाल

कांग्रेस ने गेहूं खरीदी को लेकर सरकार की नीयत पर सवाल उठाए। चौधरी ने बताया कि प्रदेश में 19 लाख से ज्यादा किसानों ने करीब 160 लाख मीट्रिक टन गेहूं का पंजीयन कराया है, लेकिन सरकार ने सिर्फ 78 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य तय किया। उन्होंने कहा कि अब तक खरीदी की रफ्तार बेहद धीमी है करीब 16 लाख मीट्रिक टन ही खरीदी हो सकी है। इस गति से लक्ष्य पूरा होना मुश्किल है, जबकि खरीदी की अंतिम तिथि नजदीक है। कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार लगातार नए नियम लागू कर किसानों को उलझा रही है कभी पंजीयन, कभी सैटेलाइट सत्यापन तो कभी अन्य प्रक्रियाएं। नरवाई (पराली) के नाम पर किसानों पर जुर्माने लगाए जा रहे हैं, जबकि फसल नुकसान का सही सर्वे नहीं किया जा रहा। उन्होंने चेतावनी दी कि सर्वे में गड़बड़ी को लेकर कांग्रेस उग्र आंदोलन करेगी।

भुगतान भी समय पर नहीं मिल रहा

प्रेस कॉन्फ्रेंस में खरीदी व्यवस्था में गड़बड़ी के उदाहरण भी सामने रखे गए। हरदा के एक वेयरहाउस में कागजों और वास्तविक स्टॉक में बड़ा अंतर बताया गया, वहीं राजगढ़ के जीरापुर में तुलाई के बाद भी भुगतान रोकने का मामला उठाया गया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि किसानों को उनके ही पैसे के लिए दफ्तर-दफ्तर भटकाया जा रहा है और सिस्टम पारदर्शी नहीं है। कुणाल चौधरी ने कहा कि प्रदेश में किसानों की हालत दयनीय होती जा रही है, लेकिन सरकार किसान कल्याण वर्ष के नाम पर सिर्फ आयोजन और प्रचार कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में द्वारका नगरी योजना के नियमों एवं प्रकिया को लेकर हाईलेवल मीटिंग की। इस दौरान उन्होंने प्रेजेंटेशन देखा। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन समेत कई सीनियर अधिकारी मौजूद रहे।

बिजली कर्मियों को बड़ी सौगात

अब सिर्फ 500 रुपये में होगा पांच लाख का इलाज, 1 मई से कैशलेस स्कीम शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी सहित मध्य क्षेत्र के हजारों बिजली कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए राहत भरी खबर है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की पहल पर अब विभाग के कर्मचारियों को इलाज के लिए अपनी जेब खाली नहीं करनी होगी। बिजली कंपनी ने एक नई कैशलेस हेल्थ स्कीम शुरू की है, जिसमें बहुत कम पैसा देकर लाखों रुपये तक का इलाज मुफ्त मिलेगा। बुधवार को बिजली कंपनी और बीमा कंपनी (मेडसेव) के बीच इस योजना पर मुहर लग गई।

तीन विकल्पों में बीमा सुविधा- योजना के तहत कर्मचारियों के लिए तीन तरह के विकल्प रखे गए हैं। अगर आप हर महीने 500 रुपये देंगे, तो परिवार को पांच लाख का बीमा मिलेगा। एक हजार रुपये महीने पर 10 लाख और दो हजार रुपये महीने पर 25 लाख तक का फ्री इलाज मिलेगा। इस स्कीम के लागू होने से कर्मचारियों और उनके परिवारों को भविष्य में होने वाले बड़े चिकित्सीय खर्चों से सुरक्षा मिलेगी।

रिटायर्ड कर्मचारियों को भी सहारा

कंपनी के एमडी ऋषि गर्ग ने बताया कि यह सुविधा एक मई से शुरू हो जाएगी। खास बात यह है कि इसका फायदा सिर्फ अभी काम कर रहे लोगों को ही नहीं, बल्कि विभाग से रिटायर हुए पेंशनर्स को भी मिलेगा। अब किसी भी गंभीर बीमारी की स्थिति में कर्मचारी चुनिंदा अस्पतालों में बिना पैसे दिए अपना और अपने परिवार का इलाज करा सकेंगे। यह कदम कर्मचारियों के कल्याण की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

वित्तीय जागरूकता के लिए उप समूह का गठन

भोपाल। राज्य शासन ने जनसामान्य से छलपूर्वक धन जुटाने वाली संस्थाओं/व्यक्तियों के विरुद्ध प्रभावी एवं समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने तथा इस संबंध में वित्तीय क्षेत्र के नियामकों एवं विधि प्रवर्तन प्राधिकरणों के मध्य समन्वय करने के उद्देश्य से गठित राज्य स्तरीय समिति के प्रस्ताव के अनुसरण में राज्य में वित्तीय जागरूकता के प्रसार के लिए उप समूह का गठन किया है।

दोपहर मेट्रो

जल गंगा संवर्धन अभियान में मध्यप्रदेश की सफलता

आदिवासी बहुल डिंडोरी देश में नंबर-1, खंडवा दूसरे स्थान पर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश ने केंद्र सरकार के जल संचय जन भागीदारी अभियान में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा 22 अप्रैल को जारी रैंकिंग में प्रदेश का डिंडोरी जिला देश में पहले और खंडवा जिला दूसरे स्थान पर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्षा जल संरक्षण के आह्वान के अनुरूप प्रदेश सरकार मिशन मोड में कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में 19 मार्च से 30 जून 2026 तक जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य वर्षा जल का अधिकतम संचयन करना और पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करना है।

अभियान के तहत प्रदेश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। खेत तालाब, कूप रिचार्ज पिट, अमृत सरोवर, बोरवेल रिचार्ज सिस्टम, रिचार्ज शाफ्ट और रूफटॉप वर्षा जल संचयन जैसी संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ ही जलाशयों और गड्ढों का पुनरुद्धार भी किया जा रहा है। जल संचय जनभागीदारी अभियान के राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी एवं आयुक्त श्री अवि प्रसाद ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा डैशबोर्ड के माध्यम से प्रदेश में किए जा रहे कार्यों की नियमित निगरानी की जा रही है। 22 अप्रैल की रैंकिंग में डिंडोरी जिले में देश में सर्वाधिक 1 लाख 23 हजार से अधिक जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया गया है। खंडवा जिले में 87 हजार से अधिक संरचनाएं निर्मित की गई हैं।

प्रदेश में 3.97 लाख से अधिक जल संरचनाएं निर्मित

प्रदेश में अब तक 3 लाख 97 हजार से अधिक जल संरचनाओं का निर्माण किया जा चुका है। वर्षा जल संरक्षण के इस कार्य में मध्यप्रदेश का उल्लेखनीय योगदान है। जल संरक्षण को जन-आंदोलन का रूप देने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा जल संचय, जनभागीदारी अभियान संचालित किया जा रहा है। यह पहल जल शक्ति अभियान- कैच द रेन के अंतर्गत 6 सितंबर 2024 से प्रारंभ की गई है। यह अभियान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जल प्रबंधन के समग्र दृष्टिकोण पर आधारित है।

जनभागीदारी से सुदृढ़ हो रहा जल संरक्षण

अभियान का प्रमुख उद्देश्य वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना, भूजल पुनर्भरण को सुदृढ़ करना और जल संरक्षण में जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। इसके लिए कम लागत वाली वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।अभियान के अंतर्गत बोरवेल रिचार्ज सिस्टम, रिचार्ज शाफ्ट, रूफटॉप वर्षा जल संचयन, जलाशयों एवं गड्ढों का पुनर्निर्माण और पुनरुद्धार जैसे कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से इन कार्यों को गति दी जा रही है। इस पहल के तहत विभिन्न संस्थाओं, संगठनों और नागरिकों को जल संरक्षण कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

राजनीति की नई चुनौती

नेपाल की राजनीति में बालेन शाह का उदय किसी तूफानी बदलाव से कम नहीं था। काठमांडू के मेयर से सीधे प्रधानमंत्री पद तक पहुंचे बालेन शाह को जनता ने पारंपरिक राजनीति के विकल्प के रूप में देखा। युवा चेहरा, तेजतर्रार छवि, भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख और बदलाव के बड़े वादों ने उन्हें जनता का नायक बना दिया। लेकिन सत्ता संभालने के एक महीने के भीतर ही वही जनता अब सवाल पूछने लगी है। नेपाल की सड़कों पर प्रदर्शन हो रहे हैं। छात्र संगठनों में गुस्सा है। सीमावर्ती इलाकों में नाराजगी है। विपक्ष हमलावर है। और सरकार के भीतर भ्रष्टाचार के आरोपों ने नई मुश्किल खड़ी कर दी है। सवाल उठ रहा है - क्या उम्मीदों की यह सरकार शुरूआत में ही लड़खड़ा गई है? सबसे बड़ा विवाद भारत से आने वाले सामानों पर नए कस्टम शुल्क को लेकर है। सरकार ने 100 रुपए से अधिक कीमत के सामान पर सीमा शुल्क अनिवार्य कर दिया है। सुनने में यह एक आर्थिक फैसला लगता है, लेकिन इसका असर आम नेपाली परिवारों की रसोई तक पहुंच गया है। सीमावर्ती क्षेत्रों के लोग रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भारत से खरीदारी पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में यह फैसला उनके लिए राहत नहीं, बोझ बन गया है। जनता पूछ रही है-क्या नीति बनाते समय उनकी जिंदगी को समझा गया था? दूसरा मुद्दा युवाओं के गुस्से का है। जिन छात्र आंदोलनों ने बालेन शाह को राष्ट्रीय पहचान दिलाई, आज वही छात्र उनके खिलाफ सड़कों पर हैं। छात्र संघों पर रोक के फैसले ने युवाओं को यह संदेश दिया है कि सत्ता में आते ही सरकार संवाद से ज्यादा नियंत्रण पर भरोसा कर रही है। लोकतंत्र में छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश हमेशा बड़े असंतोष को जन्म देती है। तीसरा और सबसे गंभीर सवाल भ्रष्टाचार का है। गृह मंत्री सुदन गुरुंग पर आय से अधिक संपत्ति और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे आरोप लगे हैं। जिस सरकार ने भ्रष्टाचार खत्म करने का वादा किया था, वही अब अपने घर के भीतर उठते सवालों से घिरी है। यदि इस मामले पर सख्त कार्रवाई नहीं होती, तो जनता इसे सीधा विश्वासघात मानेगी। बालेन शाह के लिए यह समय निर्णायक है। चुनावी भाषण अब पीछे छूट चुके हैं, अब जनता नतीजे चाहती है। लोग यह देखना चाहते हैं कि क्या वह आलोचना सुनेंगे, गलत फैसले वापस लेंगे और अपनी टीम पर कार्रवाई करेंगे, या फिर बाकी नेताओं की तरह सत्ता के गलियारों में खो जाएंगे।

ज्ञान की विरासत पुस्तकें और बौद्धिक सम्पदा के साथ रचनात्मक अधिकारों का उत्सव

सुनील कुमार महला
स्तंभकार

प्रतिवर्ष विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस 23 अप्रैल को मनाया जाता है। यह यूनेस्को द्वारा मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य आम लोगों में पढ़ने की आदत, पुस्तकों और लेखकों को सम्मान देना है। सच तो यह है कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों में पढ़ने की रूचियों को बढ़ावा देना, पुस्तकों के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना, दुनिया भर के लेखकों, साहित्यकारों और रचनाकारों का सम्मान करना, विशेष रूप से एआइ के इस युग में कॉपीराइट कानूनों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा नई पीढ़ी को ज्ञान और साहित्य से जोड़ना है। सरल शब्दों में कहें तो यह दिवस दुनिया भर में पुस्तकों, लेखकों, प्रकाशकों, पाठकों और बौद्धिक संपदा के उनके अधिकारों (राइट्स) के महत्व को रेखांकित करता है।

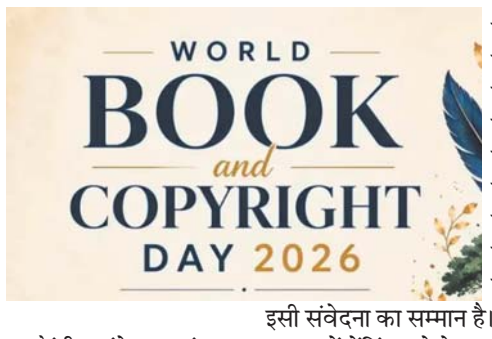

पाठकों को बताता चलूं कि इस वर्ष का केंद्रीय संदेश या यूं कहें कि थीम पुस्तकों की शक्ति, पठन संस्कृति और भाषाई विविधता को बढ़ावा देने पर आधारित है। वर्ष 2025 में विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस की थीम रीड योर वे (अपने तरीके से पढ़ें) रखी गई है। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि मोरक्को की राजधानी रबात को 2026 की विश्व पुस्तक राजधानी चुना गया है, जो कि मोरक्को का राजनीतिक और प्रशासनिक केंद्र कहलाता है, जो पुस्तकों, पठन संस्कृति और ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए दिया जाता है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार सर्वप्रथम वर्ष 1995 में, यूनेस्को ने 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस के रूप में नामित किया था, क्योंकि इस दिन महान नाटककार विलियम शेक्सपियर, इंका गार्सिलसो-डे-ला-वेगा और मिगुएल डे सर्वेंट्स सहित कई महान लेखकों की मृत्यु हुई थी और इस दिवस पर इन सभी साहित्यकारों का स्मरण किया जाता है। दरअसल, यूनेस्को ने वर्ष 1995 में पेरिस में आयोजित अपने महाधिवेशन के कारण भी 23 अप्रैल को ही यह दिन तय किया था। इसमें लेखकों और उनकी अनुकरणीय पुस्तकों को श्रद्धांजलि दी गई। यह भी उल्लेखनीय है कि विश्व पुस्तक दिवस पहली बार 7 अक्टूबर, 1926 को मनाया गया था और विसेंट क्लेवेल एन्ड्रेस ने विश्व पुस्तक दिवस मनाने का विचार 1922 में प्रस्तुत किया। इसकी शुरुआत स्पेन के कैटालोनिया क्षेत्र से हुई थी, जहाँ इसे सेंट जॉर्ज डे के रूप में मनाया जाता है। परंपरा यह है कि इस दिन लोग एक-दूसरे को गुलाब देते हैं, और बदले में किताब भेंट की जाती है।

आज संचार क्रांति, एआइ या यूं कहें कि डिजिटल युग में भी पुस्तकों की उपयोगिता कम नहीं हुई है। ये कॉपीराइट अधिकार ही हैं जो हर लेखक/साहित्यकार की रचनात्मक मेहनत की रक्षा करते हैं। कॉपीराइट किसी लेखक, कलाकार, संगीतकार या रचनाकार की मौलिक कृति की सुरक्षा करता है। इससे उनकी अनुमति के बिना रचना की नकल, बिक्री या दुरुपयोग नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि कॉपीराइट विचार को सुरक्षित नहीं करता, बल्कि उस विचार को व्यक्त करने के तरीके को सुरक्षित करता है। यह भी गौरतलब है कि दुनिया का पहला कॉपीराइट कानून ऐनी का क़ानून (1710) था। इससे पहले, कॉपीराइट लेखक के पास नहीं, बल्कि प्रकाशक के पास होता था। उस समय इंग्लैंड में स्टेशनर्स कंपनी का एकाधिकार था। इस कानून ने पहली बार माना कि रचना पर असली अधिकार रचयिता का है। कहना ग़लत नहीं होगा कि वर्तमान डिजिटल युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) ने कॉपीराइट की सदियों पुरानी परिभाषा को हिला कर रख दिया है। मशीन केवल सूचनाओं को संकलित कर सकती है, लेकिन मौलिक संवेदना और अनुभव केवल मानव मस्तिष्क की उपज है और कॉपीराइट इसी संवेदना का सम्मान है। यहां पाठकों को बता दूं कि कापीराइट कानून में पेंटिंग, फ़ोटोग्राफ़, संगीत, कंप्यूटर प्रोग्राम, नाटक, फिल्म, किताबें, वास्तुशिल्प, कविताएं, कहानियां और ब्लॉग पोस्ट शामिल किए जा सकते हैं। कॉपीराइट हमेशा के लिए नहीं होता। लेखक की मृत्यु के 60 से 70 साल बाद (देश के अनुसार) रचनाएँ पब्लिक डोमेन में आ जाती हैं। भारत में किसी किताब पर कॉपीराइट लेखक की मृत्यु के वर्ष के अंत से 60 वर्ष तक रहता है। आज सूचना क्रांति और इंटरनेट के दौर में किसी भी साहित्यिक सामग्री को उठाकर अपने नाम से इस्तेमाल कर लेना (साहित्यिक चोरी) बहुत आसान हो गया है। ऐसे समय में कॉपीराइट कानून एक बौद्धिक संपदा कानून के रूप में ढाल का काम करता है। यह लेखक की अनुमति के बिना रचना की नकल, बिक्री या उसके दुरुपयोग को रोकता है, जिससे रचनाकार का आर्थिक और मानसिक हित सुरक्षित रहता है। यह बहुत ही दुखद है कि आज कोई भी व्यक्ति किसी के काम को बिना अनुमति के तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत करता है या उपयोग करता है, जो कि कॉपीराइट का सीधा उल्लंघन है। हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने जीवन में अधिक किताबें पढ़ें और पुस्तकों का दान करें। पढ़ने से ज्ञान में बढ़ोत्तरी होती है, शब्दावली का विकास होता है और अवसाद कम होता है। हमें याद रखना चाहिए कि किताबें दुनिया चलातीं हैं और किताबें एक अनोखा पोर्टेबल जादू हैं। लेखन और पठन हमारी आत्मा को पोषण देते हैं। इसलिए बौद्धिक संपदा की रक्षा बहुत ही महत्वपूर्ण और अहम् है।कॉपीराइट दिवस हमें सिखाता है कि सृजन और प्रतिभा का सम्मान होना चाहिए।यह दिवस रचनाकारों के अधिकारों की रक्षा का संदेश देता है।हमें मौलिकता को अपनाकर नकल की प्रवृत्ति से दूर रहना चाहिए तथा रचनात्मक समाज के निर्माण में कॉपीराइट का पालन अत्यंत आवश्यक है।

-ये लेखक के अपने विचार हैं

सपनों की फैक्ट्री में छात्रों की आत्महत्या ...आखिर क्यों टूट रहे हैं हमारे युवा

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्तंभकार

भारतीय तकनीकी शिक्षा के प्रतिष्ठित संस्थान, जिन्हें कभी सपनों की फैक्ट्री कहा जाता था, आज कई युवाओं के लिए मानसिक दबाव के कारखाने बनते जा रहे हैं। हरियाणा के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र में महज़ दो महीनों के भीतर चार छात्रों की आत्महत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल चार जिंदगियों का अंत नहीं, बल्कि एक ऐसे तंत्र की विफलता है जो प्रतिभा को तराशने के बजाय उसे तोड़ रहा है। फरवरी से अप्रैल 2026 के बीच हुई ये घटनाएँ अलग-अलग नहीं हैं, बल्कि एक खतरनाक सिलसिले का संकेत देती हैं–जहाँ एक घटना के बाद दूसरी घटना घटती चली जाती है, जैसे निराशा एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक फैल रही हो। दीक्षा दूबे का सुसाइड नोट मैं कुछ करके नहीं दिखा पाई –सिर्फ एक छात्रा की पीड़ा नहीं, बल्कि उस मानसिकता का आईना है, जिसमें 'कुछ करके दिखाना' ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बना दिया गया है।

भारत में जे ई ई मैंस और जे ई ई अडवांस जैसी परीक्षाएँ लंबे समय से सफलता की कुंजी मानी जाती रही हैं। लाखों छात्र वर्षों तक दिन-रात मेहनत करते हैं ताकि वे इन परीक्षाओं में सफल होकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र जैसे संस्थानों में प्रवेश पा सकें। लेकिन विडंबना यह है कि जिस संस्थान में प्रवेश को जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि माना जाता है, वही कई छात्रों के लिए मानसिक संघर्ष का मैदान बन जाता है। यहाँ पहुँचने के बाद छात्रों को न केवल पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना होता है, बल्कि उन्हें हर मोर्चे पर खुद को साबित करने का दबाव झेलना पड़ता है। 75 प्रतिशत उपस्थिति का नियम, लगातार असाइनमेंट और प्रोजेक्ट, सेमेस्टर परीक्षाओं का तनाव और प्लेसमेंट की अनिश्चितता–ये सब मिलकर छात्रों के मन पर एक अदृश्य लेकिन भारी बोझ डालते हैं।

यह दबाव केवल शैक्षणिक नहीं होता, बल्कि मनोवैज्ञानिक और सामाजिक भी होता है। जब एक छात्र, जो अपने स्कूल या कोचिंग में सबसे आगे रहा हो, अचानक खुद को सैकड़ों प्रतिभाशाली छात्रों के बीच पाता है, तो उसकी आत्म-छवि प्रभावित होती है। पहले जहाँ वह खुद को सबसे बेहतर मानता था, वहीं अब वह खुद को सामान्य या कई बार कमज़ोर महसूस करने लगता है। यह बदलाव कई छात्रों के लिए मानसिक रूप से बहुत कठिन होता है। वे अपनी असफलताओं को स्वीकार नहीं कर पाते और धीरे-धीरे आत्म-संदेह और हीनभावना का शिकार हो जाते हैं। इस पूरे संकट में परिवार की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। भारतीय समाज में शिक्षा को सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़कर देखा जाता है। माता-पिता अपने बच्चों से बड़ी उम्मीदें रखते हैं, और यह उम्मीद कई बार अनजाने में दबाव में बदल जाती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि युवाओं में आत्महत्या के मामलों में पारिवारिक दबाव एक प्रमुख कारण होता है। विशेष रूप से उन छात्रों के लिए, जो आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से आते हैं, यह दबाव और भी अधिक होता है। उनके माता-पिता अपनी सीमित आय का बड़ा हिस्सा उनकी पढ़ाई पर खर्च करते हैं, और बदले में उनसे सफलता की अपेक्षा करते हैं। ऐसे में यदि छात्र किसी भी कारण से अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाता, तो उसे लगता है कि उसने न केवल खुद को, बल्कि अपने पूरे परिवार को निराश कर दिया है।

सोशल मीडिया ने इस स्थिति को और जटिल बना दिया है। आज का युवा लगातार दूसरों की ÷सफलता÷ और खुशहाल जीवन की झलकियों से घिरा रहता है। इंस्टाग्राम, यूट्यूब और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर दिखने वाली चमक-दमक एक ऐसी दुनिया का निर्माण करती है, जो वास्तविकता से बहुत दूर होती है। लेकिन छात्र इसे वास्तविक मानकर अपनी तुलना दूसरों से करने लगते हैं। जब उन्हें लगता है कि वे इस आदर्श जीवन से पीछे हैं, तो उनमें असंतोष और निराशा बढ़ने लगती है।

फ्रांसीसी समाजशास्त्री एमिल दुरखाइम ने आत्महत्या को केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक समस्या के रूप में देखा था। उनका अनोमिक सुसाइड सिद्धांत बताता है कि जब समाज के नियम और अपेक्षाएँ व्यक्ति के लिए अस्पष्ट या असंतुलित हो जाती हैं, तो वह खुद को अलग-थलग महसूस करने लगता है। यही स्थिति आज कई तकनीकी संस्थानों में देखने को मिलती है। छात्र एक ऐसे वातावरण में होते हैं जहाँ उनसे बहुत अधिक अपेक्षाएँ की जाती हैं, लेकिन उन्हें उतना भावनात्मक या सामाजिक समर्थन नहीं मिलता। परिणामस्वरूप, वे भीतर ही भीतर टूटने लगते हैं। ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों के लिए यह समस्या और भी गहरी होती है। वे अचानक एक ऐसे वातावरण में पहुँच जाते हैं, जहाँ भाषा, जीवनशैली और सामाजिक व्यवहार सब कुछ अलग होता है। उन्हें अपने आसपास के लोगों से जुड़ने में कठिनाई होती है। यह अलगाव धीरे-धीरे अकेलेपन में बदल जाता है, और अकेलापन मानसिक स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ा खतरा बन सकता है।

-ये लेखक के अपने विचार हैं

हेल्थ अपडेट

भागदौड़ भरी जिंदगी में फेफड़ों को मजबूत रखती हैं ब्रीदिंग एक्सरसाइज

रेस्पिरेटरी सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए ब्रीदिंग एक्सरसाइज बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। डॉक्टर लोगों को पर्स्ड लिप ब्रीदिंग जैसी एक्सरसाइज करने की सलाह दे रहे हैं। ये एक्सरसाइज आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी, पॉल्यूशन और सुस्त जीवनशैली के दौरान फेफड़ों की मसल्स को रिलैक्स व मजबूत रखती हैं। जिसकी वजह से लंग्स मसल्स पूरी तरह खुलकर सांस लेती हैं। इन एक्सरसाइज को करने में महज 5 से 10 मिनट का वक्त लगता है। जैसे एरोबिक एक्सरसाइज दिल को मजबूत बनाती हैं, वैसे ही ब्रीदिंग एक्सरसाइज फेफड़ों की एफिशिएंसी बढ़ाती

है, रेस्पिरेटरी और कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम के बीच बढ़िया कोर्डिनेशन बनाती है। शरीर में ऑक्सीजन डिलीवरी सुधरने से एनर्जी लेवल भी बढ़ता है, इम्यूनिटी को सपोर्ट मिलता है और इंफेक्शन का खतरा कम होता है। इन एक्सरसाइज को शांत माहौल में बैठकर 5 से 10 मिनट तक प्रैक्टिस करें। रोजाना अभ्यास करने से इन्हें करना आसान हो जाएगा और सांस फूलने की समस्या खत्म हो जाएगी।

पर्स्ड लिप ब्रीदिंग: धीरे-धीरे 2 की गिनती तक नाक से सांस लें। अब होंठों को सिकोड़ें जैसे सीटी बजाने वाले हों और फिर 4 की गिनती तक धीरे-धीरे मुंह से सांस छोड़ें। ऐसा कुछ देर करें, जिससे आपका ब्रीदिंग पर कंट्रोल बनने लगेगा और सांस फूलना कम हो जाएगा।

ब्रीदिंग: नाक से 4 की गिनती तक सांस लें।अब 4 की गिनती तक सांस होल्ड करें। फिर 4 की गिनती तक सांस छोड़ें। फिर से 4 की गिनती तक होल्ड करें। ऐसा 5 से 10 बार करें, जिससे आपका ब्रीदिंग पैटर्न रेगुलेट होगा, फोकस सुधरेगा और तनाव कम होगा।

डीप कफिंग तकनीक: पीठ सीधी करके जमीन पर बैठकर नाक से गहरी सांस लें। 2-3 सेकंड सांस होल्ड करें और फिर डायाफ्राम से जोर लगाकर खांसें। खांसने के दौरान कहा की आवाज निकालें। इस प्रक्रिया को 5 से 10 बार दोहराएं, जिससे फेफड़ों में फंसा बलगम बाहर निकलेगा और इंफेक्शन से बचाव होगा।

अल्टरनेट नोज्ट्रिल ब्रीदिंग: पीठ सीधी करके जमीन पर बैठ जाएं। अब हाथ के अंगूठे से एक नथने को बंद करें और दूसरे से गहरी सांस लें। फिर उंगली से दूसरा नथना बंद करें और पहले नथने से धीरे-धीरे सांस छोड़ें। ऐसा 5 मिनट तक दोहराते रहे, जिससे एयरफ्लो का बैलेंस बनेगा, लंग फंक्शन सुधरेगा और मानसिक शांति मिलेगी।

निशाना

रुख जमाने का बदलता है..!

दिनेश मालवीय अश्क

रौ में जज़्बात की मत इस तरह बहिए साहब
जो भी कहना है ज़रा सोच के कहिए साहब।
रुख़ ज़माने का बदलता है और बदलेगा
अपना रुख़ भी तो ज़रा आप बदलिए साहब।
बात का हर कहीं होता है अलहदा मतलब
बात का क्या है हवाला यह समझिए साहब।
आपके पास से बू आती है तआस्सुब की
दूर थोड़ा सा कहीं हमसे सरकिए साहब।
ऊंचे पर्वत से तो नीचे लगें हैं सब बौने
देखना सच है तो धरती पे उतरिए साहब।
आग चंदन की भी लकड़ी से निकल आती है
बाखुदा इतना भी इसको न रगड़िए साहब।
हरेक फटे में नहीं टांग अड़ाना अच्छा।
तीर उड़ता हुआ यूं ही न पकड़िए साहब।

नॉलेज

समंदर के किनारे छोटे से गांव के चर्च में पड़ी थी भारत के अंतरिक्ष मिशन की नींव

देश की प्रमुख राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो आज अंतरिक्ष की दुनिया में भारत का परचम लहरा रही है.। देश की आजादी के बाद के समय से आज 21वीं सदी में एआई युग तक एक बड़ी उड़ान भर चुका है। भारत की तरफ से अंतरिक्ष में जाने वाला पहला सैटेलाइट आर्यभट्ट इस 51 साल का सफर पूरा कर चुका है। इसका लॉन्च साइट भले ही रूस रहा हो लेकिन इसकी नींव भारत के एक छोटे से गांव में बने चर्च के अंदर रखी गई थी। साइकल और बैलगाड़ी पर लादकर रॉकेट के पुर्जों को ले जाया गया था।

यह बात उस दौर की है जब आजादी के बाद भारत चीन और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों के साथ जंग भी झेल चुका था। विक्रम साराभाई के नेतृत्व में वैज्ञानिकों की टीम ने दिन-रात की मेहनत से देश की पहचान को अंतरिक्ष की ऊंचाइयों तक ले जाने का जिम्मा उठाया। उस दौर में इंफ्रास्ट्रक्चर इतना बेहतर नहीं था। जो भी चीज जिस रूप में मौजूद थी, उसका इस्तेमाल किया गया। 51 साल पहले भारत ने अपने पहले उपग्रह आर्यभट्ट की लॉन्चिंग के साथ अंतरिक्ष की दुनिया में एक ऐतिहासिक कदम रखा था। लेकिन एक सोवियत रॉकेट के जरिए इस उपग्रह के उड़ान भरने से बहुत पहले, इसकी कहानी एक असामान्य जगह से शुरू हुई थी। वो जगह थी- भारत में हिंद महासागर के किनारे स्थित एक छोटे से गांव में बना चर्च।

क्यों इस चर्च को चुना गया: 1960 के दशक की शुरुआत में भारत के नए-नवेले अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जो बाद में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो बना। विक्रम साराभाई के नेतृत्व में, वैज्ञानिक ऊपरी वायुमंडल की स्टडी के लिए मैग्नेटिक इक्वेटर यानी चुंबकीय भूमध्य रेखा के पास एक जगह की तलाश कर रहे थे उनकी यह तलाश तिरुवनंतपुरम के पास एक शांत से गांव थुम्बा में जाकर खत्म हुई। यह मछुआरों की बसावट वाला इलाका था। इसी थुम्बा गांव के केंद्र में 'सेंट मैरी मैग्डलेन चर्च' स्थित था। सामुदायिक सहयोग की एक मिसाल पेश करते हुए, चर्च को वैज्ञानिकों के उपयोग के लिए सौंप दिया गया। इसके बाद जो हुआ, वह भारत की वैज्ञानिक यात्रा की सबसे यादगार तस्वीरों में से एक बन गया। इसी चर्च में प्रार्थना स्थल की दीवारों के अंदर देश का अंतरिक्ष कार्यक्रम आकार लेता हुआ नजर आया।

चर्च की यह इमारत ही पहली प्रयोगशाला और कंट्रोल रूम बनी। अस्थायी कार्यालय के लिए चर्च के पादरी के आवास को दफ्तरों में बदला गया। नारियल के पेड़ वाले बागानों को अस्थायी वर्कशॉप का रूप दे दिया गया। जुगाड़ और इनोवेशन टेक्निक से उन्नत बुनियादी ढांचे के अभाव में, वैज्ञानिकों ने खुद हाथों से उपकरण असेंबल किए। रॉकेट के पुर्जों को साइकिलों और बैलगाड़ियों पर लादकर ले जाया जाता था। इन शुरुआती प्रयासों का फोकस वायुमंडल की परिस्थितियों की स्टडी के लिए 'साउंडिंग रॉकेट' लॉन्च करने पर था।

न्यू अराइवल्स

इस साल आएंगे ऐपल कई लुभावने गेजेट्स, पहला फोल्डेबल फोन होगा लॉन्च

ऐपल की भागदौड़ अब जॉन टर्नस के हाथों में है। यह साल ऐपल के लिए कई मायनों में खास होने वाला है। कंपनी 2026 में अपना पहला फोल्डेबल फोन लॉन्च करने की योजना में है। साथ ही, मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो ऐपल इस साल एक-दो या 5 नहीं बल्कि पूरे 12 डिवाइस लॉन्च कर सकता है। इसमें आईफोन 18 सीरीज से लेकर नई वॉच और बहुत कुछ शामिल है। पता चला है कि कंपनी आने वाले महीनों में ढेरों डिवाइस लॉन्च करने वाली है। उम्मीद है कि 2026 खत्म होने से पहले लगभग एक दर्जन डिवाइस लॉन्च कर दिए जाएंगे। हालांकि, अभी तक कंपनी ने इस संबंध में कोई घोषणा नहीं की है। कंपनी iPhones और iPads से लेकर Macs और वियरेबल तक, काफी कुछ लॉन्च करने की योजना में है।

आएंगे कई नए आईफोन्स: सबसे पहले बात करते हैं आईफोन 18 प्रो लाइनअप की। जानकारी के अनुसार, iPhone v Pro और Pro Ma& को कई बदलाव के साथ लाया जाएगा। खासकर डिजाइन और कैमरा हार्डवेयर में। इसके अलावा, ऐपल फेस आईडी के कंपोनेंट्स को डिस्प्ले के नीचे ले जाने पर काम कर रहा है। इस बार कंपनी iPhone 18 Pro सीरीज के साथ iPhone 18 की जगह iPhone स्प्रश्चस्र लॉन्च कर सकती है। इस डिवाइस में एक बड़ी इंटरनल डिस्प्ले मिल सकती है। फोन्स के अलावा, iPad पोर्टफोलियो में भी अपडेट्स आने की उम्मीद है। एक नया बेस iPad अपग्रेडेड चिपसेट के साथ आ सकता है। इसमें Apple Intelligence फीचर्स का सपोर्ट मिल सकता है।

अगला iPad mini यूजर्स को अपनी ओर खींच सकता है। इसमें OLED डिस्प्ले, बेहतर ड्यूरेबिलिटी और एक नया प्रोसेसर होने की उम्मीद है। यह Pro लाइनअप के बाद OLED टेक्नोलॉजी वाला दूसरा iPad होगा, जो इस कॉम्पैक्ट टैबलेट के लिए एक सही होगा। सितंबर में होने वाले इवेंट कंपनी नई वॉच भी पेश की जा सकती हैं। इसमें pple Watch Ultra 4 और Watch Series 12 शामिल हैं।

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो नए AirPods Pro इस साल आ रहे हैं और इन्हें iPhone इवेंट में लॉन्च किया जा सकता है।

इस साल Apple Home के नए प्रोडक्ट्स पेश किए जा सकते हैं। इसमें HomePad/HomePod Touch, नया pple TV 4K, HomePod 3 और HomePod mini 2 शामिल है।

प्रॉपर्टी सौदे में धोखाधड़ी : त्रिमूर्ति नगर में मकान दिलाने के नाम पर असली रजिस्ट्री और बयाना राशि लेकर हो गया फरार

मोबाइल दुकान संचालक ने फर्जी हस्ताक्षर कर हड़पे 11 लाख, प्रकरण दर्ज

धार। दोपहर मेट्रो

शहर के कोतवाली थानाअंतर्गत प्रॉपर्टी के एक सौदे में धोखाधड़ी मामला सामने आया है। मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक दुकान संचालक ने मकान खरीदार और विक्रेता के बीच मध्यस्थ बनकर न केवल खरीदार के फर्जी हस्ताक्षर किए, बल्कि बयाना राशि के ग्यारह लाख रुपये भी ले लिए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायतकर्ता जगदीश पिता हीरालाल काकरवाल निवासी हटवाड़ा ने पुलिस को बताया कि सितंबर 2024 में उन्होंने त्रिमूर्ति नगर स्थित साधना पगाडे का मकान 80 लाख रुपये में खरीदने का सौदा किया था। इस सौदे में मनीष पिता मोहनलाल राठौर निवासी जवाहर मार्ग, जो मोहन टॉकीज के समीप मोबाइल एंड इलेक्ट्रॉनिक का संचालक है, मध्यस्थ था। जगदीश ने अनुबंध के समय 11 लाख रुपये बयाना राशि दी थी, जिसमें 6 लाख नकद और 5 लाख रुपये चेक के माध्यम से दिए गए थे। मकान मालिक द्वारा समय पर रजिस्ट्री न करा पाने के कारण सौदा निरस्त करने की नौबत आई। इस बीच जगदीश ने अपनी राशि वापस मांगी। आरोपी मनीष राठौर ने गारंटी के तौर पर मकान की ओरिजिनल रजिस्ट्री जगदीश के पास रखवा दी। सितंबर 2025 में मनीष ने यह कहकर रजिस्ट्री वापस ले ली कि वह मकान गिरवी रखवाकर जगदीश के पैसे वापस करवा देगा।

फर्जी हस्ताक्षर से खुलासा

जब काफी समय बीत जाने के बाद भी पैसे नहीं मिले, तो जगदीश ने मकान मालिक आशुतोष पगाडे से संपर्क किया। तब चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि आशुतोष ने पूरी बयाना राशि 11 लाख रुपये मनीष राठौर को काफी समय पहले ही लौटा दी थी। आरोपी मनीष ने एक फर्जी अनुबंध निरस्तीकरण दस्तावेज तैयार किया, जिस पर फरियादी जगदीश के फर्जी हस्ताक्षर किए और पैसे खुद रख लिए। पुलिस ने साक्षी लोकेश पिता हिरालाल काकरवाल निवासी बसंतविहार कालोनी धार, हेमन्त पिता मुन्नालाल माली साल निवासी महेश कालोनी नौगांव, आशुतोष पिता सुभाष पगाडे निवासी त्रिमूर्तिनगर धार के कथन लेख किए, जिसमें पूरी धोकाधड़ी का खुलासा हुआ।

पुलिस की कार्रवाई

कोतवाली थाना प्रभारी दीपक सिंह चौहान ने बताया कि फरियादी और साक्षियों के कथन व जिला अभियोजन अधिकारी के अभिमत के आधार पर आरोपी मनीष राठौर व अन्य के विरुद्ध धारा 318(4) और 3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस अब मामले की विस्तृत विवेचना कर रही है और अन्य संलिप्त लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। आरोपी ने मध्यस्थता का फायदा उठाकर फरियादी के फर्जी साइन किए और धोखाधड़ी कर राशि हड़प ली। मामले में केस दर्ज कर लिया गया है और आगे कार्रवाई जारी है।

न्यूज विंडो

महामाई मंदिर परिसर में होगा महालक्ष्मी महायज्ञ, मंडप व अन्य तैयारियां शुरू

सिरोंज। 7 मई से महामाई मंदिर परिसर में बघेल समाज द्वारा 121 कुंडीय श्री विद्या महालक्ष्मी महायज्ञ प्रारंभ होगा, आयोजन समिति के सदस्य जितेंद्र बघेल ने बताया कि महालक्ष्मी महायज्ञ का उद्देश्य क्षेत्र में सुख-समृद्धि, शांति एवं धर्म के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। महामाई मंदिर के प्रधान पुजारी ज्योतिषाचार्य पंडित नलिनी कांत शर्मा के मार्गदर्शन मे आयोजित महालक्ष्मी महायज्ञ में 06 मई को प्रायश्चित स्नान, जलयात्रा, गणेश पूजन रहेगी,7 मई से 15 मई 2026 तक प्रतिदिन पूजन-अर्चन, हवन, भजन-कीर्तन एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। वहीं 08 मई से 14 मई तक कथावाचिका साध्वी सुगणा बाई सा, गौ सेवा कुंज आश्रम उज्जैन के श्री मुख से भागवत कथा का वाचन भी किया जायेगा। समापन दिवस 15 मई को पूर्णाहुति एवं प्रसादी वितरण के साथ महायज्ञ का विधिवत समापन होगा। आयोजन संबंधी तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो चुकी हैं। यह महायज्ञ बघेल समाज (क्षत्रिय समाज) के तत्वाधान में होगा। जिसमे आयोजन समिति द्वारा यज्ञ स्थल महामाई परिसर पर साफ-सफाई, यज्ञ शाला निर्माण, पंडाल निर्माण, सजावट एवं व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह भव्य महायज्ञ आयोजन में दूर-दराज से श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए समिति द्वारा जल, स्वछता एवं भोजन की समुचित व्यवस्था की जा रही है। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

पुलिसकर्मियों ने बचाई मरीज की जान, एसपी ने दिए नगद पुरस्कार

नर्मदापुरम। गत दिवस एक एंबुलेंस में आग लगने की घटना में पुलिसकर्मियों ने साहस का परिचय देते हुए ऑक्सीजन सपोर्ट पर मरी हुई महिला को सुरक्षित बचा लिया। पुलिस अधीक्षक (एसपी) साई कृष्णा एस थोटा ने दोपहर में इन वीरतापूर्ण कर्मों के लिए तीन पुलिसकर्मियों और डायल 112 के पायलट को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। घटना थाना डोलरिया क्षेत्र में घटी। डायल 112 को एंबुलेंस में आग लगने की सूचना मिलते ही थाना डोलरिया की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां ओमनी एंबुलेंस में भीषण आग लगी हुई थी, जिसमें एक महिला ऑक्सीजन सपोर्ट पर लेटी थी। प्रधान आरक्षक सुशील मिश्रा, आरक्षक अजय गुप्ता और 112 पायलट सुधीर उइके ने रास्ते के पेट्रोल पंप से फायर एक्सटिंग्विशर लाकर आग बुझाई। पुलिसकर्मियों ने सबसे पहले महिला को थाने की गाड़ी में शिफ्ट किया और फिर आग पर काबू पाया। इसके बाद 108 एंबुलेंस को सूचना देकर मरीज को अस्पताल पहुंचाया गया। एसपी ने इनके साहस और तत्परता की सराहना करते हुए नगद पुरस्कार प्रदान किया।

धार में महिला आरक्षण लागू करने की मांग को लेकर महिला कांग्रेस का प्रदर्शन

धार। केंद्र की मोदी सरकार द्वारा महिला आरक्षण बिल को तत्काल लागू न करने और इसमें ओबीसी महिलाओं को आरक्षण न दिए जाने के विरोध में बुधवार कोमहिला कांग्रेस प्रदेश महासचिव प्रीति माहेश्वरी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने धार शहर के बस स्टैंड पर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका। प्रदर्शन के दौरान प्रीति माहेश्वरी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने महिला आरक्षण बिल पारित करने का केवल ढोंग किया है। उन्होंने कहा, बिल को लागू करने के लिए जनगणना और परिसीमन जैसी जटिल शर्तें रखना सरकार की असली मंशा को साफ करता है। यह करोड़ों महिलाओं के हक पर सीधा प्रहार है। कांग्रेस ने मांग की है कि महिला आरक्षण को बिना किसी देरी के आज और अभी लागू किया जाए। कांग्रेस की महिला कार्यकर्ताओं ने इस आरक्षण के दायरे में शामिल करने की मांग उठाई। कार्यकर्ताओं का कहना है कि जब तक पिछड़े वर्ग की महिलाओं को अलग से कोटा नहीं मिलता, तब तक यह बिल अधूरा और महिला विरोधी बना रहेगा। प्रदर्शन में राजकुमारी खराडे धामनोद - ब्लॉक अध्यक्ष, सुमन पटेल उमरबन - ब्लॉक अध्यक्ष, ममता डावर, पपीता खराडे, कमली डावर कुन्डीयापडा - फिफरीपुरा, आशा कनेल, राधा बाई रंगदा, शुखली अमलावर अमोदिया सयदी बाई केटटा अलावा शामिल हुई।

कोलारस के तेंदुआ थाना क्षेत्र की सनसनीखेज वारदात , पड़ताल में जुटी पुलिस

शादी का कार्ड देने घर आए, पैर छुए फिर महिला के सिर में गोली मारकर की हत्या

शिवपुरी। दोपहर मेट्रो

जिले के कोलारस के तेंदुआ थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। थाना क्षेत्र के डेहरवारा गांव में रहने वाली एक महिला की बुधवार दोपहर को घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी गई। तीन आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया जो शादी का कार्ड देने के बहाने घर पर आए थे, आरोपियों के दरवाजा खटखटाने पर जैसे ही महिला ने दरवाजा खोला तो आरोपियों ने महिला के पैर छुए और फिर उसके सिर में गोली मारकर फरार हो गए। घटना के वक्त महिला के साथ घर में उसकी नातिन भी घर पर थी। परिजनों की मानें तो मामला जमीनी रंजिश से जुड़ा हुआ है और इस पूरे हत्याकांड में किसी परिचित का हाथ हो सकता है। ग्राम डेहरवारा निवासी रामसखी धाकड़(65 वर्ष) बुधवार को अपने मकान में थी, घर में उसके साथ उसकी बहू और नातिन भी थी। दोपहर करीब तीन बजे बाइक सवार तीन युवक आए और शादी का कार्ड देने की बात कहकर दरवाजा खुलवाया। जैसे ही रामसखी बाहर आई तो एक युवक ने उनके पैर छुए और तुरंत सिर में कट्टे से गोली मार दी। घटना के बाद आरोपी मौके से भाग गए। घटना इतनी जल्द हुई कि कोई कुछ समझ नहीं पाया। मौके पर मौजूद वृद्धा की नातिन राधिका धाकड़ मौजूद थी, जिसने पूरी वारदात देखी और गोली चलने के बाद घर के अन्य लोग भागकर मौके पर आए।

महिला ने की थी दूसरी शादी

परिजनों ने बताया कि रामसखी की दो शादियां हुई थीं और अभी वह अपने दूसरे पति लक्ष्मीनारायण धाकड़ के साथ रह रही थी। लक्ष्मी नारायण की पहली पत्नी से तीन बेटे और दो बेटियां थीं, जबकि रामसखी अपने पहले पति से जन्मे बेटे मुनेश को अपने साथ लाई थी। रामसखी की लक्ष्मीनारायण से कोई संतान नहीं हुई, लेकिन उन्होंने सभी बच्चों का पालन-पोषण किया। वर्तमान में मुनेश धाकड़ इंदौर में अपने परिवार के साथ रहता है और हाल ही में अपनी मां के इलाज के लिए गांव आया हुआ था।

सौतेले बेटों पर हत्या का शक

इस पूरे घटनाक्रम में मृतिका के भाई महेश धाकड़ ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि लक्ष्मी नारायण के नाम की करीब 35 बीघा जमीन का बंटवारा हो चुका था, जिसमें रामसखी अपने हिस्से की जमीन बेटे मुनेश के नाम करना चाहती थीं और इसकी प्रक्रिया भी चल रही थी। पर रामसखी के सौतेले बेटे शिवराज धाकड़, साहब सिंह धाकड़ व रामकृष्ण धाकड़ जमीन मुनेश के नाम करने के विरोध में थे। इसी कारण से कई दिनों से रंजिश चल रही थी और इसी को लेकर यह हत्या की घटना हुई है। थाना प्रभारी तेंदुआ नीतू सिंह धाकड़ ने बताया कि मृतिका के शव का पीएम कराकर अज्ञात लोगों पर हत्या का केस दर्ज कर लिया है। जमीन का विवाद परिजनों ने बताया है। मामले में सभी के बयानों व अन्य पहलुओं पर जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। साथ ही जल्द ही आरोपियों को पकड़ा जाएगा।

पूर्णिमा ब्यूटी पार्लर खुटटोला में अंगूठी चोरी, मामला दर्ज

अनूपपुर/जैतहरी। दोपहर मेट्रो

शादी के चंद दिन पहले दुल्हन की सोने की अंगूठी चोरी जिसकी कीमत 27778 रुपए बताया गया होने का मामला सामने आते ही खुटटोला स्थित पूर्णिमा ब्यूटी पार्लर में हड़कंप मच गया। घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित युवती पार्वती की शादी 25 अप्रैल को प्रस्तावित है 20 अप्रैल की 2-00 वैक्सीन, फेशियल करवाने के लिए पूर्णिमा ब्यूटी पार्लर, खुटटोला (जैतहरी) पहुंची थी। इसी दौरान उसने अपनी सोने की अंगूठी काउंटर पर रखी, जो कुछ ही देर में चोरी हो गई बताया जा रहा है कि घटना के समय पार्लर संचालिका की बहन और भांजी भी मौके पर मौजूद थीं। पूछताछ के दौरान कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी। चर्चा यह भी है कि पार्लर संचालिका की बहन घटना के बाद

से ही कहीं अन्य स्थान पर जाकर रहने लगी है, जिससे मामले ने और तूल पकड़ लिया है वहीं पार्लर में कैमरे नहीं होने के कारण सच्चाई सामने आने में कठिनाई हो रही है। घटना की सूचना तत्काल डायल 112 पर दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है।

पुत्र मोह में IPS से भिड़ने वाले विधायक प्रीतम लोधी को पार्टी ने दिया नोटिस

शिवपुरी। दोपहर मेट्रो

जिले की पिछोर विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक प्रीतम लोधी की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। प्रीतम लोधी के द्वारा करैरा एसडीओपी डॉ. आयुष जाखड़ को धमकाने के मामले में IPS एसोसिएशन के मैदान में उतरने के एक दिन बाद अब बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने उन्हें नोटिस जारी किया है। बता दें कि ढ्क्क एसोसिएशन ने पत्र लिखकर विधायक प्रीतम लोधी की भाषा को अशोभनीय और अमर्यादित बताते हुए कार्रवाई की मांग की थी। पिछोर विधायक प्रीतम सिंह लोधी के द्वारा लगातार की जा रही बयानबाजी पर एक तरफ जहां प्रदेश की सियासत गर्माई हुई है वहीं दूसरी तरफ अब प्रीतम लोधी की बयानबाजी से बीजेपी आलाकमान भी नाराज नजर आ रहा है। मध्यप्रदेश बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने प्रीतम लोधी को नोटिस जारी किया है नोटिस में लिखा है- विगत दिनों आपके द्वारा जो आचरण किया गया है वो अत्यंत आपत्तिजनक है। आपके द्वारा किया गया आचरण पार्टी के अनुशासन के अनुरूप नहीं है, अत-तीन दिन के अंदर अपना स्पष्टीकरण दें अन्यथा आपके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। बता दें कि बीजेपी विधायक प्रीतम लोधी के एक के बाद एक तीन वीडियो सामने आए हैं जिनमें वो SDOP को धमकाते नजर आ रहे हैं। एक वीडियो में धमकाते हुए कह रहे हैं कि करैरा क्या तुम्हारे डैडी का है जबकि दूसरे में कह रहे हैं कि मेरा हाथ पहले ढाई किलो का था, लेकिन अब ढाई सौ किलो का हो गया है, इसकी (एसपी, एसडीओपी) बेचैनी दूर कर दूंगा। प्रीतम लोधी यहीं नहीं रुके उन्होंने आगे ये भी कहा कि 10 हजार लोगों को ले जाकर एसडीओपी के बंगले को गोबर से भर दूंगा। साथ ही, उन्होंने शिवपुरी एसपी से स्पष्टीकरण मांगते हुए पूछा कि, बताए दिल्ली से इनको कौन चला रहा है? कौन फरमान दे रहा है? मोदी, अमितशाह या सिंधिया? उन्होंने नए वीडियो में शिवपुरी पुलिस को भी 15 दिन की खुली चुनौती दी है।

करैरा थाना अंतर्गत तहसील के पास 16 अप्रैल को पिछोर से भाजपा विधायक प्रीतम लोधी के बेटे दिनेश लोधी ने तेजी व लापरवाही से थार गाड़ी चलाते हुए 5 लोगों को टक्कर मार दी थी। घटना के बाद आरोपी दिनेश लोधी ने घायलों को धमकाया भी था जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। वायरल वीडियो में वो घायलों से कह रहा था कि उसने सायरन और हॉर्न बजाया था, फिर भी वे क्यों नहीं हटे।

मेट्रो एंकर

यातायात पुलिस ने बिना हेलमेट-बिना नंबर वाले वाहनों पर की चालानी कार्रवाई

अपनी जिंदगी सुरक्षित रखने लगाएं हेलमेट: यातायात निरीक्षक

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

नगर में यातायात व्यवस्था सुधारने और सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के उद्देश्य से बुधवार को यातायात पुलिस ने सिरोंज रोड स्थित बेतवा के पास सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान बिना हेलमेट, बिना नंबर प्लेट, बिना दस्तावेज तथा नियमों का उल्लंघन कर सड़क पर दौड़ रहे वाहन चालकों पर सख्त चालानी कार्रवाई की गई। पुलिस कार्रवाई से नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों में हड़कंप की स्थिति बनी रही। चेकिंग अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने दोपहिया और चारपहिया वाहनों को रोककर उनके दस्तावेज, ड्राइविंग लाइसेंस, पंजीयन प्रमाण पत्र, बीमा एवं अन्य आवश्यक कागजातों की जांच की। जिन वाहन चालकों के पास वैध दस्तावेज नहीं मिले या जो सुरक्षा नियमों का पालन नहीं कर रहे थे, उनके खिलाफ मौके पर चालान बनाए गए।

विशेष रूप से बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों और बिना नंबर प्लेट वाहन सड़कों पर दौड़ाने वालों को रोककर कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालकों को समझाइश देते हुए कहा कि हेलमेट केवल चालान से बचने का साधन नहीं, बल्कि जीवन सुरक्षा का सबसे बड़ा माध्यम है। यातायात पुलिस निरीक्षक निरपत सिंह लोधी ने बताया कि नगर में लगातार यातायात नियमों के उल्लंघन की शिकायतें मिल रही थीं, जिसके चलते यह विशेष अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस पूरी तरह गंभीर है और नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें, सीट बेल्ट का उपयोग करें, वाहन पर नंबर प्लेट लगाकर चलें तथा सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखें। यातायात नियमों का पालन कर न केवल चालान से बचा जा सकता है, बल्कि स्वयं और दूसरों की जान भी सुरक्षित रखी जा सकती है।

न्यूज विंडो

योगेश को मिली डॉक्टर की उपाधि

तेंदूखेड़ा। नगर के वार्ड क्रमांक 8 विधानगर में रहने वाले योगेश यादव ने डांक्टर की डिग्री प्राप्त कर नगर को गौराविंत किया हैं योगेश ने 2020 में नीट परीक्षा पास करके एमबीबीएस में मेडिकल कॉलेज उज्जैन में प्रवेश लिया व अपनी शिक्षा पूर्ण करके एमबीबीएस डॉक्टर की डिग्री प्राप्त की। योगेश के पिता दिनेश यादव शिक्षक ने बताया कि योगेश प्रारंभ से पढाई में होशियार था उसकी इस उपलब्धि पर नगर के लोगों ने योगेश के घर पहुंचकर अपनी शुभकामनाएं दी हैं योगेश के परिवार में माता श्रीमती ऊषा यादव, दादाजी घनश्याम प्रसाद यादव, दादाजी छोटेलाल यादव से.नि. डिप्टी रेंजर, दिलीप द्विवेदी शिक्षक, अरविन्द यादव, शैलेन्द्र यादव शिक्षक, भाई संदीप यादव, बहन रेशु यादव ,सुनील, शुभम ने शुभकामनाएं दीं एवं उज्जवल भविष्य की कामना की

सूचना मिलते ही पुलिस एवं महिला बाल विकास ने रुकवाया बाल विवाह

तेंदूखेड़ा। तेंदूखेड़ा ब्लांक अंतर्गत ग्राम बैलढ़ाना में मंगलवार रात्रि के समय चाइल्ड हेल्प लाईन के द्वारा बाल विवाह होने की सूचना मिलने पर महिला बाल विकास एवं पुलिस विभाग के द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए बैलढाना पहुंचे जहां अहिरवार समाज के द्वारा बाल विवाह कराया जा रहा था। जिसमें बालिका की उम्र 16 वर्ष 7 माह की थी परिजयोजना अधिकारी पूजा गौड़ के द्वारा परिजनों को समझाया गया कि बाल विवाह करने के क्या दुष्परिणाम हैं साथ ही विवाह होने की स्थिती में संपूर्ण लोगों के उपर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज हो जाता हैं साथ ही जेल भी जाना पड़ता हैं पुलिस विभाग के द्वारा समझाइश के बाद अहिरवार समाज के लोगों ने बाल विवाह को रोक दिया साथ ही कहा कि दोनों बच्चों के बालिग होने के बाद ही विवाह करेंगे। संपूर्ण कार्यवाही में एएसआई गजराज सिंह, प्रआर रवि सेन, प्रआर महेश सिंह, पर्यवेक्षक नंदराम अहिरवार सहायक ग्रेड 3 रुद्र प्रताप यादव आदि शामिल रहे।

बालाघाट में पुलिस अधिकारियों ने की सुरक्षा संबंधी अहम बैठक

बालाघाट। हाल ही में सिंगरौली में बैंक ऑफ महाराष्ट्र में हुई दिनदहाड़े डकैती के बाद अब पूरे प्रदेश में बैंकों की सुरक्षा को लेकर सख्ती बरती जा रही है। बालाघाट पुलिस के अधिकारियों ने बैंक प्रबंधकों और प्रतिनिधियों के साथ एक बड़ी बैठक की, ताकि सुरक्षा के इंतजामों को पुख्ता किया जा सके। एडीएसपी निहित उपाध्याय और सीएसपी मयंक तिवारी ने बैठक में साफ कहा कि अब बैंकों और पुलिस के बीच तालमेल पहले से बेहतर होना चाहिए। हर बैंक शाखा को अपने इलाके के थाने और बीट ऑफिसर के संपर्क में रहना होगा। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को देनी होगी। इसके लिए हर बैंक के लिए एक पुलिस नोडल अधिकारी भी तय किया जाएगा।

खुलासा: 44 लाख की कपास हड़पने आरोपियों ने लगाई थी ट्रक में आग

छिंदवाड़ा। जिले की भुमका घाटी में सप्ताहभर पहले ट्रक में लगी आग कोई हादसा नहीं, बल्कि एक साजिश थी। अमरवाड़ा पुलिस ने जांच में इसका खुलासा किया है। आरोपियों ने 44 लाख रुपए की कपास हड़पने के लिए खाली ट्रक को आग लगा दी थी। वर्तमान में पुलिस ने ट्रक और पूरी 140 गठान कपास जब्त कर ली है। साथ ही साजिश रचने वाले ड्राइवर सहित 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मालथौन में श्री राम कथा एवं शतचंडी महायज्ञ में संबोधन

भगवान श्री राम नारी सम्मान के लिए रावण से लड़े: भूपेंद्रसिंह

सागर। दोपहर मेट्रो

भगवान श्री राम नारी सम्मान के लिए रावण से लड़े और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नारी सम्मान के लिए कांग्रेस से लड़ रहे हैं। श्रीराम कथा लोक जीवन की कथा है। जब तक राम की कथा जीवित है, भारतीय संस्कृति अमर रहेगी। यह बात पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने मालथौन में आयोजित श्री राम कथा एवं 21 कुंडात्मक श्री शतचंडी महायज्ञ आयोजन में कही। भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि लोकभाषा में कथा करने वाले विपिन बिहारी जी हैं, इसलिए बुंदेलखंड में उनकी लोकप्रियता बहुत अधिक है। कोई भी आयोजन कठिन कार्य होता है। आयोजन समिति बहुत परिश्रम और भक्ति भाव से निरंतर इस श्रीराम कथा और यज्ञ के आयोजन को कर रही है। भगवान श्री राम ने जीवन की मर्यादाओं को अपने जीवन के माध्यम से हमारी संस्कृति को दिया है। जहां भी श्रीराम कथा होती है वहां श्री हनुमान जी स्वयं किसी रुप में उपस्थित हो कर कथा श्रवण हेतु उपस्थित होते हैं।

यह नियति है

भगवान श्री राम का राज तिलक होना था और वन को जाना पड़ा। यह प्रसंग बताता है कि यह नियति है,किसी को पता नहीं होता कि कल क्या होने वाला है। अतः हम सिर्फ कर्म करें, फल देना ईश्वर के हाथ में होता है। धर्म ही हमारा जीवन है, धर्म के बिना हमारे जीवन का कोई अर्थ नहीं है। श्रीराम कथा हमारे जीवन की कथा है। जब तक राम की कथा जीवित है, भारतीय संस्कृति अमर रहेगी।

सीएम का आज नरयावली आगमन प्रस्तावित

नरयावली को मिलेगी 63 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

सागर। दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज नरयावली विधानसभा को विकास की बड़ी सौगात देने जा रहे हैं। अपने प्रस्तावित दौरे के दौरान मुख्यमंत्री कुल 63.41 करोड़ रुपये की लागत वाले 75 विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री 41.20 करोड़ की लागत वाले 22 कार्यों का लोकार्पण और 22.21 करोड़ की लागत के 53 कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। इसमें सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण भी शामिल है।

मुख्यमंत्री बोर्ड परीक्षा की प्रवीण्य सूची में स्थान पाने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन भी करेंगे और उनसे संवाद भी करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री 23 अप्रैल को सुबह 11.40 बजे भोपाल स्थित स्टेट हैंगर से हेलीकॉप्टर द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 12.30 बजे नरयावली हेलीपैड पहुंचेंगे। यहां वे स्थानीय कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। जिसके बाद दोपहर 2.20 बजे नरयावली हेलीपैड से हेलीकॉप्टर द्वारा भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

सरकारी स्कूलों के निरीक्षण में मिली शिक्षकों की लापरवाही

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

जिले के गोटेगांव विकासखंड में शिक्षा विभाग ने लापरवाह शिक्षकों पर कार्रवाई की है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी सिद्धांत बागडे ने अपनी टीम के साथ कई स्कूलों का निरीक्षण किया। इस दौरान स्कूलों में ताले लटके मिलने और शिक्षकों के गायब रहने की बात सामने आईं, जिसके बाद कई शिक्षकों को नोटिस थमाया गया है। निरीक्षण के दौरान शासकीय प्राथमिक शाला सुकरी, चरगवा और बहरोड़ा पूरी तरह बंद पाए गए। इन स्कूलों पर ताले लटके देख अधिकारियों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर मौके पर ही पंचनामा तैयार किया।

गांव में लाखों रुपए का बिजली बिल बकाया लाइन कटी तो अब पानी का संकट गहराया

कटनी। दोपहर मेट्रो

जिले की ढीमरखेड़ा तहसील के ग्राम खमरिया में बिजली विभाग ने करीब 80 लाख रुपये का बिल बकाया होने पर पूरे गांव की बिजली काट दी। इस कार्रवाई के बाद गांव में हालात मुश्किल हो गए हैं।गांव वालों का कहना है कि बिजली विभाग की सख्ती का असर उन लोगों पर भी पड़ रहा है, जो समय पर बिल भरते हैं। उन्होंने कंपनी पर लापरवाही का आरोप लगाया है। भीषण गर्मी के बीच बिजली बंद होने से नल-जल योजना पूरी तरह ठप पड़ गई है। गांव में पीने के पानी की भारी किल्लत हो गई है और लोग परेशान हैं।

अपहृत दो मासूम 6 घंटे में बरामद, आरोपी गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

जिले की कुक्षी पुलिस और गुजरात पुलिस ने एक संयुक्त और त्वरित कार्रवाई करते हुए दो मासूम बच्चों के अपहरण की गुत्थी को महज छह घंटे में सुलझा लिया है। पुलिस ने आरोपी को गुजरात के गोधरा से गिरफ्तार कर बच्चों को सकुशल बरामद किया। घटना 21 अप्रैल 2026 की है। ग्राम कालाखोदरा बड़ग्यार के एक दंपति ने कुक्षी थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उनके चार और छ वर्ष के दो बेटों को उनके घर रहने आया प्रताप उर्फ धर्मेंद्र निवासी मेहसाणा गुजरात मोटरसाइकिल पर घुमाने के बहाने ले गया और वापस नहीं लौटा।

बताया जा रहा है कि आरोपी का पीड़ित परिवार से पुराना परिचय था। मजदूरी के दौरान आरोपी ने बच्चों की माँ को अपनी मुंहबोली बहन बनाया था और वह अक्सर उनके घर आकर रुकता था। घटना के दिन जब आरोपी ने फोन उठाना बंद कर दिया, तो परिजन घबरा गए और पुलिस को इसकी सूचना दी। पकड़ा गया आरोपी प्रताप उर्फ धर्मेंद्र एकाकी जीवन जी रहा है; उसका कोई परिवारनहीं है। पुलिस महानिरीक्षक और एसपी धार ने इस मामले को मानव तस्करी के नजरिए से देखते हुए आरोपी से कड़ी पूछताछ के निर्देश दिए हैं। पुलिस को आशंका है कि इस गिरोह के पीछे कुछ और बड़े खुलासे हो सकते हैं।

सीसीटीवी और घेराबंदी से मिली सफलता

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर के निर्देशन में विशेष टीमें गठित की गईं। एसडीओपी सुनील गुप्ता और थाना प्रभारी राजेश यादव के नेतृत्व में पुलिस ने तुरंत सीसीटीवी फुटेज खंगाले और आरोपी का पीछा शुरू किया। कुक्षी पुलिस की टीम ने गुजरात के गोधरा में स्थानीय पुलिस की मदद से चारों तरफ नाकेबंदी की। आरोपी जब बच्चों को लेकर भागने की फिराक में था, तभी पुलिस ने उसे दबोच लिया।

आरोपी की त्वरित गिरफ्तारी पर एसपी मयंक अवस्थी ने निरीक्षक राजेश यादव, एएसआई चंचलसिंह चौहान, रामसिंह सोलंकी और उनकी पूरी टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

सरदारपुर में चलती बस पर फेंके पत्थर

अनियंत्रित होकर बस पलटी, 30 यात्री घायल

धार। दोपहर मेट्रो

बोरी से राजगढ़ जा रही यात्री बस ग्राम रिंगनोद में टोल टैक्स के समीप हादसे का शिकार हो गई। बस में सवार 30 से यात्रियों को चोट आई हैं। यात्रियों के अनुसार बस पर कुछ लोगों द्वारा पत्थर फेंके गए। इसमे से एक पत्थर बस के आगे के कांच पर लगा जिससे कांच फुट गया। जैसे ही कांच फूटा वैसे ही बस चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया तथा बस सड़क से गड्ढे मे जा घुसी। कई यात्रियों को कांच के टुकड़े भी लगें है। हादसे में बस चालक गंभीर रूप से घायल हुआ है। सरदारपुर थाना व रिंगनोद चौकी पुलिस मामले की जांच में जुट गई हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बोरी से इंदौर जा रही यात्री बस क्रमांक एमपी 11 पी 3455 ग्राम रिंगनोद में टोल टैक्स के पास से गुजर रही थी, तभी अचानक अज्ञात बदमाशों ने उस पर पत?थर फेंकना शुरु कर दिया, ड्राइवर सीट की और एक पत्थर ड्राइवर को कांच पर आ गया जिससे ड्राइवर बस पर से अपना संतुलन खो बैठा, बस कुछ ही दुर जाकर हादसे का शिकार हो गई। बस के हिस्से पूरे तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। राहगीरों ने घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सभी घायलों को अस्पताल भिजवाया। हादसे में घायलों को तुरतं एंबुलेंस के माध्यम से सिविल अस्पताल सरदारपुर सहित राजगढ़ के निजी अस्पताल भेजा गया। जहां सभी का प्राथमिक उपचार किया गया। हादसे में 30 से अधिक लोगो को चोट आने की सूचना। साथ ही चालक मनीष मुजाल्दा निवासी टांडा गंभीर रूप से घायल हुआ है तथा 5 से 6 लोगो को गंभीर चोटे आई है। वही घटना की सूचना मिलते ही सरदारपुर एसडीओपी विश्वदीपसिंह परिहार, सरदारपुर थाना प्रभारी अनिल जाधव अस्पताल पहुंचे व घायलों से चर्चा की। सरदारपुर एसडीओपी विश्वदीप सिंह परिहार ने बताया कि हादसे में 30 लोग घायल हुए है। जिनका उपचार जारी है।

मेट्रो एंकर

बहेरिया में रुद्र महायज्ञ का दूसरा दिन

पंचांग पूजन व वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ मंडप प्रवेश

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

बहेरिया ग्राम में चल रहे भव्य रुद्र महायज्ञ के दूसरे दिन आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। प्रातः काल शुभ मुहूर्त में वैदिक ब्राह्मणों द्वारा विधिवत पंचांग पूजन संपन्न किया गया, जिसके पश्चात मंत्रोच्चारण और धार्मिक विधानों के बीच मंडप प्रवेश की पावन प्रक्रिया सम्पन्न हुई। यज्ञ स्थल पर जैसे ही आचार्यों ने वैदिक मंत्रों का उच्चारण प्रारंभ किया, पूरा परिसर भक्तिमय ऊर्जा से भर उठा। हर-हर महादेव और ओम नमः शिवाय के जयघोष से वातावरण गूंज उठा। मंडप प्रवेश के दौरान यज्ञ में वर्णित यजमान परिवार ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर भगवान शिव से क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और कल्याण की प्रार्थना की।

इस अवसर पर उपस्थित यज्ञाचार्य पंडित गोपाल शास्त्री ने बताया कि रुद्र महायज्ञ न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह पर्यावरण शुद्धि, मानसिक शांति और सामाजिक एकता का

भी प्रतीक है। यज्ञ से उत्पन्न सकारात्मक ऊर्जा पूरे क्षेत्र में सुख-समृद्धि का संदेश देती है। उनके अनुसार, वैदिक विधि-विधान से किए गए यज्ञ में उच्चारित होने वाले मंत्रों की ध्वनि तरंगें वातावरण में व्याप्त नकारात्मक तत्वों को नष्ट कर शुद्धता और पवित्रता का संचार करती हैं। यज्ञ में उपयोग की जाने वाली समिधा, घृत और औषधीय द्रव्यों से उठने वाला धुआं वायु को शुद्ध करने में सहायक होता है, जिससे पर्यावरण संतुलन को भी मजबूती मिलती है। यज्ञाचार्य पंडित गोपाल शास्त्री ने यह भी कहा कि रुद्र महायज्ञ का सीधा संबंध भगवान शिव की आराधना से है, जो सृष्टि के संहारक ही नहीं, बल्कि पुनः सृजन और संतुलन के भी प्रतीक माने जाते हैं। ऐसे में इस यज्ञ के आयोजन से व्यक्ति के मन, बुद्धि और आत्मा में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जिससे मानसिक तनाव में कमी आती है और आंतरिक शांति की अनुभूति होती है। उन्होंने आगे बताया कि जब किसी क्षेत्र में सामूहिक रूप से इस प्रकार के महायज्ञ आयोजित होते हैं, तो यह समाज को एक सूत्र में पिरोने का कार्य भी करते हैं। विभिन्न वर्गों, समुदायों और आयु वर्ग के लोग एक साथ आकर पूजा-अर्चना में भाग लेते हैं, जिससे आपसी प्रेम, भाईचारा और सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिलता है। यज्ञाचार्य के अनुसार, रुद्र महायज्ञ से उत्पन्न होने वाली सकारात्मक ऊर्जा पूरे क्षेत्र में सुख-समृद्धि, शांति और उन्नति का संदेश देती है। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत करता है, बल्कि मानव जीवन को संतुलित, शांत और समृद्ध बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।यज्ञ में प्रतिदिन सुबह पूजन हवन और शाम को प्रवचन का कार्यक्रम निरंतर 11 दिवस चलेगा रात्रि प्रतिदिन में रामलीला का मंचन होगा यज्ञ में वर्णित आचार्य पंडित मनेंद्र शास्त्री, पंडित रत्नेश पाठक,पंडित रोहित द्विवेदी सम्लित रहे।

आईपीएल 2026: 48 करोड़ का दांव बेकार?

केकेआर के लिए सबसे बड़ी मुसीबत बने पंत-पूरन, आंकड़े दे रहे हैं गवाही

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जॉयंट्स की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं रही है। टीम शुरुआती मुकाबलों में ही दबाव में आ गई है और अब सबसे ज्यादा नजरें उनकी दो बड़ी खरीद ऋषभ पंत और निकोलस पूरन पर टिकी हैं। करीब 48 करोड़ (पंत 27 तो पूरन 21 करोड़) रुपये की संयुक्त कीमत के साथ इन दोनों खिलाड़ियों से बड़े प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन अब तक नतीजे उस स्तर के नहीं रहे।

एलएसजी ने छह मैचों में सिर्फ दो जीत दर्ज की है और टीम अंक तालिका में निचले पायदान पर बनी हुई है। बल्लेबाजी में निरंतरता की कमी साफ दिखी है, वहीं टॉप ऑर्डर में लगातार बदलाव ने भी टीम की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सबसे बड़ी चिंता पंत और पूरन का अहम मौकों पर प्रभाव नहीं डाल पाना रहा है। पूर्व न्यूजीलैंड क्रिकेटर सिमन ने भी इस मुद्दे को उठाया। क्रिकेबुज से बातचीत में उन्होंने कहा, टीम की सबसे बड़ी समस्या उसके तीन विदेशी खिलाड़ी हैं। टॉप-5 में तीन विदेशी बल्लेबाज हैं। उनमें से कॉर्कनने कुछ प्रदर्शन किए हैं, लेकिन मिचेल मार्श ज्यादा कुछ नहीं कर पाए और पूरन का योगदान लगभग शून्य रहा है।

प्राइस टैग का दबाव

ऋषभ पंत ने छह मैचों में 147 रन बनाए हैं, औसत 29.40 और स्ट्राइक रेट 136.11 रहा है। उनकी एकमात्र बड़ी पारी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ नाबाद 68 रन की रही, जिससे टीम को जीत मिली। वहीं पूरन का प्रदर्शन और भी निराशाजनक रहा है। उन्होंने छह पारियों में सिर्फ 51 रन बनाए हैं, औसत 8।50 और स्ट्राइक रेट 79।68 के साथ।

लगातार बदलाव से बिगड़ा संतुलन

एलएसजी की बल्लेबाजी में स्थिरता की कमी साफ नजर आई है। टीम ने कई कॉम्बिनेशन आजमाए। पंत को कभी ओपनिंग तो कभी नंबर-3 पर भेजा गया। मार्करम और मार्श को भी ऊपर-नीचे किया गया, जबकि पूरन की बल्लेबाजी पोजिशन में भी बदलाव किए गए, लेकिन कोई भी प्रयोग सफल नहीं रहा। अब राजस्थान के खिलाफ 22 अप्रैल को होने वाला मुकाबला एलएसजी के लिए बेहद अहम है। सीजन के इस अहम मोड़ पर टीम को अपने बड़े खिलाड़ियों से प्रदर्शन की उम्मीद है। अगर पंत और पूरन जल्द फॉर्म में नहीं लौटे, तो टीम के प्लेऑफ की राह मुश्किल हो सकती है।

सीएसके पर चोटों की मार, आधी टीम बाहर, प्लेइंग 11 पर भी गहराया संकट!

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत उम्मीदों के उलट रही है, और इसकी सबसे बड़ी वजह टीम पर लगातार चोटों का कहर है। इसी ताजा कड़ी में सबसे नया नाम 18 साल के धाकड़ बल्लेबाज आयुष म्हात्रे का जुड़ा है, जो पूरे आईपीएल सीजन के लिए टीम से बाहर हो गए हैं। सीजन शुरू होने से पहले ही ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज नाथन एलिस हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे, जिससे सीएसके के बॉलिंग अटैक को बड़ा झटका लगा। इसके बाद 14 अप्रैल को खलील अहमद कोलकाता के खिलाफ मैच में ग्रेड-2 क्वाड्रिसेप्स इंजरी का शिकार हुए और उन्हें भी पूरे सीजन से बाहर होना पड़ा, जिसकी पुष्टि 16 अप्रैल को हुई। इस बीच युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को एसआरएच के खिलाफ इम्पैक्ट सब के तौर पर बल्लेबाजी करते समय लेफ्ट हैमस्ट्रिंग में चोट लगी। इसके बाद मंगलवार (21 अप्रैल) को उनके पूरे टूर्नामेंट से बाहर होने की पुष्टि चेन्नई सुपर किंग्स के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट की ओर से हुई।

8 रन बनाकर भी कई दिग्गजों को पछाड़ा

वैभव सूर्यवंशी ने तोड़ डाला मैक्सवेल का महा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2026 का 32वां मुकाबला बुधवार को राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपरजॉयंट्स के बीच खेला गया। इस मुकाबले में सभी की नजर वैभव सूर्यवंशी पर थी। लेकिन वैभव इस मुकाबले में बड़ी पारी नहीं खेल सके और केवल 8 रन ही बना सके। लेकिन इन 8 रनों की छोटी पारी के बावजूद वैभव ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। अब सूर्यवंशी आईपीएल इतिहास में सबसे तेज 500 रन गेंदों के हिसाब से बनाने वाले बल्लेबाज़ बन गए हैं। ये मुकाम हासिल करने वाले वो सबसे युवा खिलाड़ी भी बन गए हैं। यानी वैभव ने दोहरा उपलब्धि हासिल कर ली है। वैभव ने मैच के दौरान दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर चौका लगाकर यह उपलब्धि हासिल की। सिर्फ 222 गेंदों में 500 रन पूरे कर उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ग्लेन मैक्सवेल को पीछे छोड़ा। जिन्होंने आईपीएल में 500 रन बनाने के लिए 260 गेंदों का सामना किया था। वहीं, प्रियांश आर्य को ऐसा करने के लिए 278 तो वीरेंद्र सहवाग को 280 गेंदें खेलनी पड़ी थीं।

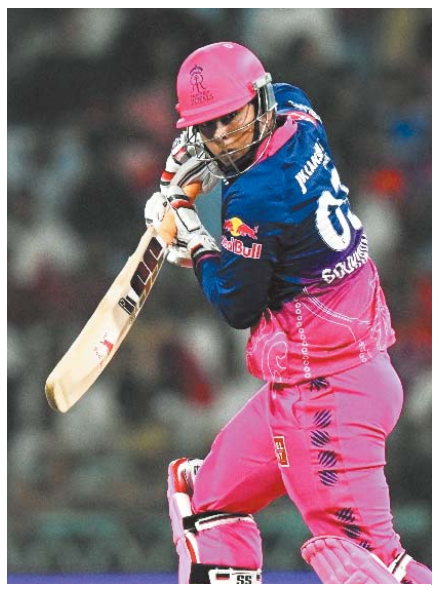

सबसे युवा खिलाड़ी भी वैभव

आईपीएल में सबसे तेज 500 रन बनाने वाले वैभव सबसे युवा खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने ये मुकाम 15 साल और 26 दिन की उम्र में हासिल किया है। जबकि पृथ्वी शॉ ने 500 आईपीएल रन 19 साल 164 दिन की उम्र में किया था। वहीं, संजू सैमसन ने 19 साल 195 दिनों में ये उपलब्धि हासिल की थी।

लेकिन राजस्थान की खराब शुरुआत

राजस्थान रॉयल्स ने सीजन की शुरुआत शानदार अंदाज में करते हुए लगातार चार मैच जीते थे, लेकिन इसके बाद टीम की लय टूट गई और उन्हें लगातार दो हार का सामना करना पड़ा। वहीं, इस मैच में भी राजस्थान का टॉप ऑर्डर फ्लॉप रहा और शमी ने एक ही ओवर में दो विकेट झटके। लखनऊ सुपर जाइंट्स प्लेइंग इलेवन- मिचेल मार्श, आयुष बदोनी, ऋषभ पंत, निकोलस पूरन, एडेन मार्करम, मुकुल चौधरी, मोहम्मद शमी, मोहसिन खान, प्रिंस यादव, दिग्वेश सिंह राठी, मयंक यादव। राजस्थान रॉयल्स प्लेइंग इलेवन- यशस्वी जयसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रियान पराग (कप्तान), शिमरोन हेटमायर, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जडेजा, जोफा आर्चर, रवि बिश्नोई, ब्रिजेश शर्मा, नांद्रे बर्गर।

19 वर्षीय राफेल होदार शीर्ष 50 में जगह बनाकर टेनिस जगत में बटोर रहे सुर्खियां

टेनिस जगत में धूम मचाने तैयार स्पेन का एक और 'राफा'

मैड्रिड, एजेंसी

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज़ की उम्र केवल 22 वर्ष है, लेकिन उनके देश स्पेन में प्रतिभाशाली टेनिस खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी के बारे में पहले से ही चर्चा हो रही है। इनमें से सबसे चिंचत नाम उस खिलाड़ी का है जिनका पहला नाम सर्वकालिक महान खिलाड़ी राफेल नडाल के समान है। यह खिलाड़ी है 19 वर्षीय राफेल होदार, जो रैंकिंग में शीर्ष 50 में जगह बनाने से स्पेन और पूरे टेनिस जगत में सुर्खियां बटोर रहे हैं। होदार को नडाल की तरह %राफा% उपनाम से भी जाना जाता है। वह मैड्रिड ओपन में अपने पदार्पण से ठीक पहले शीर्ष 50 में जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। एक और होनहार खिलाड़ी 20 वर्षीय मार्टिन लैंडालुस हैं, जिन्होंने हाल में पुरुष रैंकिंग में शीर्ष 100 में जगह बनाई है। अल्काराज़ के कलाई में चोट के कारण नाम वापस लेने के बाद मैड्रिड ओपन में यह दोनों दर्शकों के पसंदीदा खिलाड़ियों में से एक होंगे। अल्काराज इन दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन से

बेहद प्रभावित हैं और उन्हें उम्मीद है कि वह स्पेन में टेनिस को नए मुकाम तक पहुंचाने में सफल रहेंगे। उन्होंने कहा, ये दोनों एक-दूसरे की मदद से लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए शीर्ष पर पहुंचेंगे। उनका भविष्य उज्ज्वल है।

होदार एक साल पहले तक विश्व रैंकिंग में शीर्ष 600 खिलाड़ियों में भी शामिल नहीं थे। मार्च में उन्होंने शीर्ष 100 में प्रवेश किया और सोमवार को जारी नवीनतम एटीपी रैंकिंग में 42वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

दिल्ली की टीम संकट में... निसांका फ्लॉप, नीतीश राणा फिसड्डी फिर भी पृथ्वी शॉ को मौका क्यों नहीं?

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत तो अच्छी रही. लेकिन अब टीम जीत से बेपटरी हो गई है और बैक-टू-बैक हार का सामना उसे करना पड़ रहा है. मंगलवार को सनराइजर्स हैदराबाद के सामने दिल्ली कैपिटल्स को करारी हार का सामना करना पड़ा. टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही सवालों के घेरे में है. ऐसे में अब लोग पृथ्वी शॉ को प्लेइंग इलेवन में शामिल करने की मांग कर रहे हैं.

छह मैचों में तीन हार के बाद दिल्ली के अभियान की रफ्तार धीमी पड़ गई है. डीसी अब बदलाव करने और सही संयोजन खोजने के दबाव में है, खासकर बल्लेबाजी विभाग में. ऐसे में लोग पूछ रहे हैं कि आखिर टीम के कप्तान अक्षर पटेल प्लेइंग 11 में पृथ्वी शॉ को मौका कब देंगे. कमेंटेटर हर्षा भोगले का मानना है कि शॉ अभी भी टॉप ऑर्डर में एक उपयोगी विकल्प हो सकते हैं.

क्रिकेबुज पर बात करते हुए, भोगले ने कहा कि शॉ के हालिया इंटरव्यू उनके सोच में बदलाव का संकेत देते हैं.

हर्षा ने कहा कि मैं हाल ही में पृथ्वी शॉ के कुछ इंटरव्यू पढ़ रहा था. और वह इस बारे में बात कर रहे हैं कि उन्होंने क्या गलत किया और कैसे वह अब सही रास्ते पर हैं, कैसे वह चीजें सही तरीके से कर रहे हैं. यह ठीक है. वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो अगर 15-20 गेंदें खेल लें, तो आपको एक शानदार शुरुआत दे सकते हैं.

शॉ का हालिया प्रदर्शन

हाल के वर्षों में शॉ का करियर आसान नहीं रहा है. फिटनेस और अनुशासन को लेकर सवालों के कारण उन्हें मुंबई की रणजी टीम से बाहर कर दिया गया था, और वह आईपीएल 2025 ऑक्शन में अनसोल्ड भी रहे थे. हालांकि, 2025-26 घरेलू सीजन उनके लिए एक टर्निंग पॉइंट साबित हुआ. महाराष्ट्र में जाने के बाद शॉ ने सात मैचों में 537 रन बनाए. उन्होंने सार्वजनिक रूप से अपनी गलतियों को स्वीकार किया है और दावा किया है कि वह अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौटने के लिए 200 फीसदी मेहनत कर रहे हैं. आखिरकार, उन्हें आईपीएल में वापसी का मौका मिला जब दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें उनके बेस प्राइस पर खरीदा. हालांकि, शॉ ने अभी तक इस सीजन में एक भी मैच नहीं खेला है और वह अपने मौके और वापसी का इंतजार कर रहे हैं.

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

जब भारत छोड़ यूएसमें बसा था धुरंधर सिंगर का परिवार, करनी पड़ी मजदूरी, विदेश में देखे बुरे दिन

जैस्मिन सैंडलस इस समय अपनी सक्सेस एन्जॉय कर रही हैं। धुरंधर फिल्म में अपनी जादुई आवाज और गानों से उन्होंने फैंस को अपना मुरीद बना लिया। हर तरफ उनके चर्चे हो रहे हैं। लेकिन इसी बीच सिंगर ने अपनी जिंदगी से जुड़े कई राज खोले हैं। उन्होंने पेरेंट्स के संघर्षों पर भी बात की है।

रणवीर इल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में जैस्मिन ने बताया कि उनके पिता में भारत में अपनी अच्छी-खासी नौकरी छोड़कर परिवार को अच्छी जिंदगी देने के लिए अमेरिका चले गए थे। वहां जाकर उनके पिता मजदूरी करने लगे थे। पेट्रोल पंप पर वो पेट्रोल भरने का काम करते थे। जैस्मिन ने बताया कि जब वो परिवार के साथ अमेरिका गई थीं, तब उन्हें कई दिक्कतों का

सामना करना पड़ा था। आगे बताते हुए सिंगर बोलीं- हम न्यूयॉर्क पहुंचे। तब मुझे इंग्लिश बोलनी नहीं आती थी। पिता ने वहां के लोकल स्कूल में हमारा दाखिला करवा दिया था। हम एक बेडरूम वाले अपार्टमेंट में रहते थे, जो कम सैलरी वाले परिवारों के लिए बना था। छोटे से अपार्टमेंट में हम कुल 6 लोग रहते थे। हमें फूड स्टैम्प्स मिलते थे, जिन्हें दिखाकर हमें किराने की दुकानों पर सस्ता राशन मिलता था।

जैस्मिन ने आगे बताया- जब हम भारत में रहते थे, तो मेरे पिता की एक हाई प्रोफाइल जॉब थी। वो अपने लॉ स्कूल के टॉपर थे। लेकिन जब आप अमेरिका जाते हैं, तो आपके पास दो ही रास्ते होते हैं, या तो आप 3-4 साल तक पढ़ाई करें या फिर अपने परिवार का ख्याल रखें। मेरे पिता ने हमारे लिए अपनी पूरी जिंदगी कुर्बान कर दी थी। वो भारत में अपना सबकुछ छोड़कर अमेरिका चले गए थे।

गबीरी में किया गुजारा

अमेरिका में उनकी पहली नौकरी एक पेट्रोल पंप पर थी, जहां वो पेट्रोल भरने का काम करते थे। मेरे पास मेरे पिता की एक फोटो है, जिसमें वह बर्फ में बैठे हैं और उनके पास बर्फ में पहनने वाले जूते तक नहीं थे। उन्होंने अपनी हर उस सुख-सुविधा का बलिदान दे दिया था, जो वो शायद अपने लिए चाहते थे, ताकि उनके बच्चों का भविष्य बन सके। मेरी मां ने भी वहां काम किया। वो एक फैक्ट्री में चेरी चुनने का काम करती थीं, जो एक मजदूरों वाला काम था।

नेहा धूपिया का खुलासा-यशराज स्टूडियो में शूटिंग के दौरान शुरू हो गया था लेबर पेन

फिल्म इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों के लिए मां बनना सिर्फ एक निजी अनुभव नहीं होता, बल्कि इसके साथ कई जिम्मेदारियां और चुनौतियां भी जुड़ी होती हैं। खासकर तब, जब करियर और परिवार दोनों को साथ लेकर चलना हो। इसी कड़ी में नेहा धूपिया ने अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान काम को लेकर अपने अनुभव को साझा किया है।

दरअसल, हाल ही में नेहा धूपिया, परिणीति चोपड़ा के नए टॉक शो मॉम टॉक्स में नजर आईं। इस शो में सेलेब्स अपने पेरेंटिंग अनुभव साझा करते हैं। शो के दौरान नेहा ने अपनी प्रेग्नेंसी के समय का एक ऐसा अनुभव बताया, जिसने सभी को हैरान कर दिया। उन्होंने बताया कि वे अपने काम को लेकर इतनी समर्पित थीं कि प्रेग्नेंसी के आखिरी समय तक काम करती रहीं। नेहा धूपिया ने कहा, मैंने करीब साढ़े आठ महीने की प्रेग्नेंसी तक काम किया। मैं चाहती थी कि मां बनने के बाद भी मेरा काम जारी रहे और मैं जल्द ही अपने प्रोफेशन में वापस लौट सकूं। मुझे शूटिंग के दौरान ही लेबर पेन शुरू हो गए थे। यह सब यशराज स्टूडियो में

हुआ, जहां मैं काम कर रही थी। यह अनुभव मेरे लिए काफी अलग और यादगार रहा। शो में नेहा धूपिया ने कहा, एक कामकाजी मां के लिए सबसे बड़ी चुनौती समाज की उम्मीदें होती हैं। मां बनने के बाद भी एक महिला को अपने सपनों और काम को जारी रखने का पूरा अधिकार है। मां बनने के बाद जिंदगी पूरी तरह बदल जानी चाहिए, ऐसा जरूरी नहीं है। महिलाओं को खुद तय करना चाहिए कि वे अपनी जिंदगी कैसे जीना चाहती हैं। नेहा ने कहा, ÷मां बनने के बाद काम और परिवार के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता, लेकिन अगर इच्छाशक्ति मजबूत हो, तो यह संभव है। आज की महिलाएं पहले से ज्यादा आत्मनिर्भर हैं।

मेट्रो बाजार

महाराष्ट्र स्कूटर्स का मुनाफा वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में 92% गिरा

मुंबई। महाराष्ट्र स्कूटर्स का मुनाफा वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 92.23 प्रतिशत कम होकर 4.01 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 51.63 करोड़ रुपए पर था। कंपनी के मुनाफे में कमी आने के साथ आय में भी गिरावट देखने को मिली है, जो कि सालाना आधार पर 3.55 प्रतिशत कम होकर 6.51 करोड़ रुपए हो गई है। कंपनी ने अपनी एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में कर पहले मुनाफा सालाना आधार पर 91.20 प्रतिशत कम होकर 5.46 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि एक साल पहले समान अवधि में 62.05 करोड़ रुपए था। लागत के मोर्चे पर, मार्च तिमाही में कुल खर्च में वार्षिक आधार पर 55.88 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह घटकर 1.05 करोड़ रुपए रह गया। हालांकि, कर्मचारी लागत संबंधी खर्च में 339.99 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 0.22 करोड़ रुपए हो गया। नियामक रिपोर्ट के अनुसार, अन्य खर्चों में 41.13 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह घटकर 0.83 करोड़ रुपए रह गया। कमजोर नतीजों के बावजूद, कंपनी ने शेयरधारकों के लिए डिविडेंड की घोषणा की है। कंपनी के बोर्ड ने 31 मार्च, 2026 को समाप्त हुए वित्त वर्ष के लिए प्रति शेयर 60 रुपए का फाइनल डिविडेंड देने की सिफारिश की है, जो 10 रुपए के अंकित मूल्य पर 600 प्रतिशत के बराबर है। यह डिविडेंड आगामी वार्षिक आम बैठक में अनुमोदन के अधीन है और यदि मंजूरी मिल जाती है, तो इसका भुगतान 4 अगस्त, 2026 को या उससे पहले किया जाएगा।

भारत में रियल एस्टेट जमीन सौदों में 32 प्रतिशत उछाल; 2025 में हुए 54,818 करोड़ की डील्स

नई दिल्ली । एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में 2025 में जमीन अधिग्रहण में पिछले वर्ष की तुलना में 32 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिसमें डेवलपर्स ने 149 सौदों के जरिए 3,093 एकड़ जमीन खरीदी, जिसकी कुल कीमत 54,818 करोड़ रुपए रही। जेएलएल की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस खरीदी गई जमीन पर अगले 2 से 5 साल में करीब 229 मिलियन स्क्वायर फीट निर्माण किया जा सकता है, जो डेवलपर्स के मजबूत भरोसे और लगातार बनी मांग को दिखाता है।रिपोर्ट में निवेश के असंतुलन की ओर भी इशारा किया गया है। टियर-1 शहरों में कुल निवेश का 89 प्रतिशत गया, जबकि जमीन का हिस्सा केवल 52 प्रतिशत रहा। वहीं, टियर-2 शहरों में 48 प्रतिशत जमीन के सौदे हुए, लेकिन उन्हें सिर्फ 11 प्रतिशत निवेश मिला। इससे पता चलता है कि वहां जमीन सस्ती है और आगे बढ़ने के मौके ज्यादा हैं। यह रफ्तार 2026 में भी जारी रही। पहली तिमाही में ही प्रमुख बाजारों में करीब 900 एकड़ जमीन खरीदी गई, जिसकी कीमत लगभग 18,000 करोड़ रुपए रही।रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मुंबई महानगर क्षेत्र में सबसे बड़ा सौदा हुआ,

जहां 11 एकड़ जमीन 5,400 करोड़ रुपए में खरीदी गई। इन जमीनों पर निर्माण के लिए 92,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की जरूरत होगी, जिसमें बाहरी फंडिंग की जरूरत 52,000 करोड़ रुपए से अधिक हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे वैकल्पिक निवेश फंड (एआईएफ), प्राइवेट क्रेडिट कंपनियों और बड़े निवेशकों की भागीदारी बढ़ सकती है। टियर-1 शहरों में आने वाले प्रोजेक्ट्स के लिए लगभग 89 प्रतिशत पूंजी की जरूरत होगी, क्योंकि बड़े शहरों में प्रोजेक्ट महंगे होते हैं और प्रीमियम रियल एस्टेट की मांग ज्यादा रहती है।

विधि-विधान के साथ खुले बद्रीनाथ धाम के कपाट

» 25 क्विंटल फूलों से सजाया गया मंदिर

देहरादून। चारधाम यात्रा की शुरुआत हो चुकी है। केदारनाथ के बाद अब आज उत्तराखंड के चमोली में बद्रीनाथ धाम के कपाट खुल गए हैं। भगवान बद्रीविशाल ने आज 149 दिन बाद भक्तों को दर्शन दिया जहां सीएम पुष्कर सिंह धामी की मौजूदगी में भगवान बद्रीनाथ के मंदिर का विशाल कपाट खोला गया। सुबह करीब सवा 6 बजे पूरे विधि विधान के साथ हजारों भक्तों के सामने जब मंदिर का कपाट खुला तो पूरा आसमान भगवान बद्रीविशाल के जयकारे से गूंज उठा।

बता दें कि भगवान बद्रीनाथ के दिव्य दर्शन के लिए मंदिर को 25 क्विंटल फूलों से सजाया गया है। पहली बार भगवान बद्री विशाल के मंदिर में फूलों से ओम लक्ष्मीपति नमो लिखा गया है। साथ ही जय श्री बद्री नारायण और बैकुंठाय नमो भी लिखा गया है।दरअसल, चारों धाम उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित हैं। इस कारण ये क्षेत्र सर्दियों में भारी बर्फबारी और भीषण ठंड की चपेट में रहते हैं। यही कारण है कि हर साल अक्टूबर-नवंबर महीने में चार धामों के कपाटों को श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिया जाता है। चारों धाम के कपाट अगले साल अप्रैल-मई महीने में दोबारा खोल दिए जाते हैं। चार धाम की यात्रा करीब 6 महीने तक चलती है। लाखों की संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं जो कि उत्तराखंड की आर्थिकी की रीढ माना जाता है।

न्यूज विंडो

30 अप्रैल से जम्मू-श्रीनगर के बीच दौड़ेगी वंदे भारत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के लोगों का लंबा इंतजार आखिरकार खत्म होने जा रहा है। 30 अप्रैल से जम्मू और श्रीनगर के बीच सीधी रेल सेवा शुरू हो जाएगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और जम्मू के सांसद जुगल किशोर शर्मा के साथ जम्मू रेलवे स्टेशन से कश्मीर घाटी के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस बहुप्रतीक्षित शुरुआत के साथ ही दोनों राजधानियों के बीच सफर आसान हो जाएगा। कनेक्टिविटी और अधिक मजबूत होगी। रेलवे के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इस नए रूट के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। ट्रेन व ट्रैक पूरी तरह तैयार हैं। ट्रायल रन सफल रहे हैं और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर लिए गए हैं। वर्तमान में कटड़ा और श्रीनगर के बीच जो दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चल रही हैं। अब उन्हीं का विस्तार जम्मू तक किया जा रहा है।

दर्दनाक सड़क हादसा, 250 मीटर गहरी खाई में गिरी कार, 3 की मौत

रुद्रप्रयाग ।रुद्रप्रयाग जिले के भीरी-ककोला मोटर मार्ग पर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। भीरी से औरिंग की ओर जा रहा वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 250 मीटर नीचे गहरी खाई में गिर गया। सूचना मिलते ही कोतवाली ऊखीमठ पुलिस और एसडीआरएफ की टीम तत्काल मौके पर पहुंची।

प्रभारी निरीक्षक मनोज नेगी और एसडीआरएफ पोस्ट अगस्तमुनि से उपनिरीक्षक धर्मेंद्र पंवार के नेतृत्व में जवानों ने रात के अंधेरे में खाई में उतरकर संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। सवार तीनों लोगों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। कड़ी मशक्कत के बाद दो शवों को बाहर निकाल लिया है, जबकि तीसरे शव को निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

हादसे में मृतकों की पहचान नवीन सिंह (30 वर्ष), अंशुल (28 वर्ष) और अमित सिंह (35 वर्ष) के रूप में हुई है। सभी रुद्रप्रयाग जिले के निवासी हैं।

रेड लाइट पर रोका तो एएसआई को मारी टक्कर, 100 मीटर तक घसीटा

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में जीटीबी अस्पताल की रेड लाइट पर ड्यूटी कर रहे ट्रैफिक पुलिसकर्मी को रेड लाइट जंप करने वाले कार चालक ने टक्कर मार दी। कार रोकने के बजाय आरोपी करीब 100 मीटर तक एएसआई को घसीटता हुआ ले गया।

बताया गया कि बोनट से नीचे गिरकर पुलिसकर्मी बुरी तरह से घायल हो गए। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया। घायल हालत में विकास कुमार को जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

वहीं, पीड़ित की शिकायत पर जीटीबी एन्क्लेव थाना पुलिस ने सरकारी कर्मचारी को चोट पहुंचाने, जीवन को खतरे में डालने समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया है।पीड़ित अपने साथी गौरव के साथ जीटीबी अस्पताल की रेड लाइट पर ड्यूटी कर रहे थे। उसी दौरान उनकी नजर पड़ी की, आई-10 कार ने रेड लाइट जंप कर दी। पहले गौरव ने हाथ से इशारा कर चालक से कार रोकने को कहा। वह नहीं माना। फिर एएसआई विकास ने हाथ से इशारा किया।

मतदान केंद्रों के बाहर देखने को मिल रही है लोगों की लंबी-लंबी कतारे

बंगाल व तमिलनाडु चुनाव: वोटिंग को लेकर लोगों में दिखा भारी उत्साह

कोलकाता, चेन्नई, नई दिल्ली, एजेंसी

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा के लिए वोटिंग जारी है। मतदान केंद्रों के बाहर लंबी कतार देखने को मिल रही है। दोपहर 1 बजे तक पश्चिम बंगाल में 50 प्रतिशत और तमिलनाडु लगभग 45 प्रतिशत वोटिंग हुई है।

इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों राज्यों के लोगों से अपने-अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने की अपील की है। उन्होंने आज अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए जनता से अपील की है।

पीएम मोदी ने कहा कि जैसे-जैसे तमिलनाडु के लोग विधानसभा चुनावों में मतदान करने की तैयारी कर रहे हैं, मैं सभी मतदाताओं से आग्रह करता हूं कि वे इस पवित्र लोकतांत्रिक कर्तव्य को पूरे उत्साह के साथ निभाएं। विशेष रूप से, मैं तमिलनाडु के युवाओं और महिलाओं से आह्वान करता हूं कि वे बड़ी संख्या में बाहर निकलें और मतदान के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त करें।

पीएम की अपील पीएम मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए मतदान का पहला चरण आज है। मैं सभी नागरिकों से लोकतंत्र के इस उत्सव में पूरे उत्साह के साथ भाग लेने का आह्वान करता हूं। मैं विशेष रूप से अपने युवा मित्रों और पश्चिम बंगाल की महिलाओं से बड़ी संख्या में मतदान करने का आग्रह करता हूं।

पश्चिम बंगाल में 152 सीटों पर मतदान

पश्चिम बंगाल में पहले चरण में 152 सीटों पर मतदान हो रहा है। यहां मुख्य मुकाबला टीएमसी और बीजेपी के बीच है। कुल 1478 उम्मीदवार मैदान में हैं। इस चरण में 16 जिलों के करीब 3.6 करोड़ वोटर वोट डालेंगे।

तमिलनाडु में 234 सीटों पर मतदान

तमिलनाडु में 234 सीटों पर मतदान तमिलनाडु में सभी 234 सीटों पर आज ही मतदान हो रहा है। यहां डीएमके गठबंधन और एआईएडीएमके-बीजेपी गठबंधन के बीच मुकाबला है। कुल 4023 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं और लगभग 5.73 करोड़ वोटर वोट डालेंगे।

बढ़ाया जाना चाहिए समय- विजय: TVK प्रमुख और तिरुचिरापल्ली पूर्व तथा पेरम्बूर निर्वाचन क्षेत्रों से उम्मीदवार विजय ने मुख्य चुनाव आयुक्त को एक पत्र लिखकर मतदान का समय दो घंटे बढ़ाकर रात 8:00 बजे तक करने का आग्रह किया है। लेटर में उन्होंने लिखा कि यात्रा में रुकावटों और लंबी कतारों में इंतजार की जरूरत के चलते देर से पहुंचने वाले मतदाताओं की भारी संख्या को देखते हुए, सभी प्रभावित निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान का समय रात 8:00 बजे तक बढ़ाया जाना चाहिए।

बांग्लादेश: पेड़ से लटकता मिला पुजारी का शव, 3 दिन से था लापता

ढाका। बांग्लादेश में कोक्स बाजार पहाड़ी में एक पुजारी का शव पेड़ से लटकता पाया गया है। प्राथमिक सूचना के अनुसार यह पुजारी 3 दिनों से लापता था। शव मिलने के बाद हिंदू समुदायों में दहशत फैल गई है। बांग्लादेश पुलिस पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, ताकि यह पता चल सके कि यह हत्या थी या आत्महत्या।

स्थानीय लोगों के अनुसार मंदिर के पुजारी का शव कोक्स बाजार सदर उपजिला में गले में स्कार्फ लपेटे हुए एक पेड़ से लटकता हुआ मिला है। वह तीन दिन से लापता था। कोक्स बाजार सदर मॉडल पुलिस स्टेशन के प्रमुख मोहम्मद समिउद्दीन ने बताया कि बुधवार दोपहर खुरुशखुल यूनियन के एक दूरस्थ पहाड़ी इलाके में पेड़ से लटका हुआ शव बरामद किया गया। मृतक पुजारी का नाम नयन दास है। वह उसी यूनियन में स्थित पुलिश्शोरा घोना नाग पंचमी मंदिर में पुजारी के रूप में कार्यरत थे। कोक्स बाजार पूजा उद्यापन परिषद के महासचिव जॉनी धर ने परिवार के हवाले से बताया कि 19 अप्रैल की रात करीब 9 बजे कुछ अज्ञात लोगों के फोन करने पर नयन घर से निकले थे और उसके बाद वापस नहीं लौटे।

मौत के बाद हरियाणवी एक्ट्रेस का आखिरी पोस्ट वायरल, 30 की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

चडीगढ़। हरियाणवी एक्ट्रेस और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर दिव्यांका सिरोही का 30 साल की उम्र में निधन हो गया है। वह अपने लोकप्रिय म्यूजिक वीडियो के लिए जानी जाती थी और उनकी सोशल मीडिया पर जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। रिपोर्ट्स के अनुसार दिव्यांका को दिल का दौरा पड़ा था और उनका अंतिम संस्कार उनके भाई हिमांशु सिरोही ने किया। दिव्यांका सिरोही की मौत के बाद अब उनका आखिरी इंस्टाग्राम पोस्ट वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने ब्लू कलर का लहंगा चोली पहना हुआ है।हरियाणवी एक्ट्रेस की आखिरी पोस्ट उनका एक डांस वीडियो है, जिसमें वह 'बरसाना मिला है' गाने पर झूमती दिख रही है। इसमें वो ब्लू फ्लोरल प्रिंट वाला व्हाइट लहंगा-चोली पहने नजर आ रही हैं। उनका ये स्लो मोशन वीडियो अपने गने की वजह से छाया हुआ है, जो बी प्राक, अफसाना खान, मीर देसाई का है।

सुरक्षा पर खतरा: 57 आतंकी 200 नाम...पहचान बदल सुरक्षा एजेंसियों को दे रहे चकमा, गृह मंत्रालय ने जारी की लिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान के ज्यादातर खूंखार आतंकियों ने दुनिया भर की सुरक्षा एवं जांच एजेंसियों को गच्चा देने के लिए अपने नाम बदल रखे हैं। कोई एक-दो नहीं, बल्कि सुरक्षा एजेंसियों की फाइलों में इन दहशतगर्दों के दर्जनभर नाम देखने को मिल रहे हैं। मुंबई हमलों के आरोपी और भारत के मोस्ट वांटेड आतंकी 'दाऊद इब्राहिम' के 22 नाम हैं। पाकिस्तानी आतंकी संगठन 'लश्कर-ए-ताइबा' प्रमुख हाफिज सईद के 9 और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) का शीर्ष आतंकी मोहीउद्दीन औरंगजेब आलमगीर 11 नामों से जाना जाता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा 'गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम यूएपीए के तहत आतंकियों की जो सूची तैयार की गई है, उसमें 57 आतंकियों के लगभग 200 नाम लिखे गए हैं।

दाऊद इब्राहिम के सबसे ज्यादा नाम

वैश्विक आतंकी सूची में दाऊद इब्राहिम के 22 नाम दर्ज हैं। इनमें दाऊद इब्राहिम कासकार, दाऊद हसन शेख कासकार, दाऊद भाई, दाऊद सबरी, इकबाल सेठ, बड़ा पटेल, दाऊद एब्राहिम, शेख दाऊद हसन, अब्दुल हामिद अब्दुल अजीज, अनीस इब्राहिम, अजीज दिलीप, दौद हसन शेख इब्राहिम कासकर, दाऊद इब्राहिम मेमन कासकर, दाऊद हसन इब्राहिम कासकर, दाऊद इब्राहिम मेनन, कासकर दाऊद हसन, शेख मोहम्मद इस्माइल अब्दुल रहमान, दाऊद हसन शेख इब्राहिम, दाऊद भाई लो क्वालिटी, इब्राहिम शेख मो. अनीस, शेख इस्माइल अब्दुल, शेख फारुखी और इकबाल भाई शामिल हैं।

मसूद अजहर भी कई नामों से कुख्यात

गृह मंत्रालय की सूची में पहला नाम मौलाना मसूद अजहर का है। उसे मौलाना महमूद मसूद अजहर अलवी और विला अदाम इस्सा नाम से जाना जाता है। रियाज इस्माइल शाहबंदर को शाह रियाज अहमद, रियाज भटकल, मोहम्मद रियाज, अहमद भाई, रसूल खान, रोशन खान और अजीज नाम से जाना जाता है। इब्राहिम मेनन के दूसरे नामों में टाइगर मेनन, मुस्ताक, सिकंदर आदि शामिल हैं। सैयद मोहम्मद युसूफ शाह ने सैयद सलाउद्दीन, पीर साहब और बुजुर्ग नाम रखा हुआ है। रियाज इस्माइल शाहबांदरी के आठ नाम हैं। हबीबुल्लाह मलिक के 9, गुलाम नबी खान के 6 और जफर इकबाल ने अपने पांच नाम रखे हुए हैं।

मेट्रो एंकर

रिसर्च के अनुसार भारत के 10 प्रतिशत लोगों की आर्थिक बदहाली की वजह है तंबाकू

तंबाकू छोड़ने से दूर होगी दो करोड़ परिवारों की आर्थिक तंगी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में तंबाकू केवल कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का कारण ही नहीं है, बल्कि यह करोड़ों परिवारों को गरीबी में धकेलने का बड़ा कारण भी है। रिपोर्ट के अनुसार, सिर्फ तंबाकू छोड़ने से भारत के करीब 10 प्रतिशत परिवार अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बना सकते हैं।

दरअसल, नोएडा स्थित आईसीएमआर राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं रिसर्च सेंटर और मुंबई स्थित टाटा सोशल साइंस इंस्टीट्यूट के रिसर्चर्स का कहना है कि तंबाकू पर खर्च होने वाला पैसा यदि एजुकेशन, हेल्दी डाइट और सेविंग में लगाया जाए तो लगभग 10 प्रतिशत भारतीय परिवार गरीबी रेखा से ऊपर उठ सकते हैं।

तंबाकू छोड़ने से बदलेगी किस्मत

बीएमजे ग्लोबल हेल्थ में पब्लिशड स्टडी के मुताबिक, भारतीय घरों में तंबाकू पर होने वाला खर्च उनके बजट का एक बड़ा हिस्सा होता है। खास तौर पर कम आय वाले परिवारों में यह समस्या और भी अधिक गंभीर है।रिसर्चस के अनुसार, यदि कोई परिवार बीड़ी, सिगरेट या गुटखे पर खर्च होने वाले पैसे को बचाकर जरूरी चीजों पर खर्च करे तो उनकी लाइफस्टाइल में काफी बड़ा बदलाव तो आएगा। तंबाकू पर खर्च होने वाला पैसा यदि शिक्षा और स्वास्थ्य पर निवेश किया जाए, तो यह न केवल आपकी सेहत बचाएगा, बल्कि देश की आर्थिक सेहत को भी नया जीवन देगा।

गरीबी में धकेल रहा तंबाकू

रिसर्च के अनुसार, तंबाकू की वजह से न सिर्फ लोगों की जेब खाली हो रही है, बल्कि इससे पैदा होने वाली बीमारियों पर होने वाला एक्स्ट्रा खर्च फैमिली को कर्ज में भी ले जा सकता है। यानी तंबाकू छोड़ने से न सिर्फ हमारा दैनिक खर्च बचेगा, बल्कि भविष्य में होने वाले मेडिकल पर भारी-भरकर खर्च में भी कटौती होगी।

दो करोड़ परिवार उठ सकते गरीबी से ऊपर

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 26.7 करोड़ से ज्यादा लोग तंबाकू का इस्तेमाल करते हैं और भारत तंबाकू का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता और उत्पादक है। सबसे गरीब परिवार अपनी कुल मासिक आय का 6.4% तंबाकू पर खर्च करते हैं। सिर्फ तंबाकू छोड़ने से करीब दो करोड़ परिवार गरीबी से ऊपर उठ सकते हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564